RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp.02 August, 2024

अंक - 02 (मासिक) वर्ष - 20 अगस्त, 2024 मूल्य 20/-

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

आज़ादी का आनन्द

77 वें स्वाधीनता पर्व की
हार्दिक मंगलकामनाएँ

कलावती जाजू के नेतृत्व में दिखे 'भारत के रंग'

हमारी प्रतिभाओं का प्रकाश

XII

जसराज मूंदड़ा

सुहानी मंडोवरा

X

आयुष राठी

गीत काबरा

आराध्य माहेश्वरी

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2024
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-02 अगस्त 2024 वर्ष-20

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
सत्यनारायण ईनानी, वड़ोदरा (गुज.)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300
Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

भगवान श्रीकृष्ण की सीख

भगवान श्रीकृष्ण की त्रिलोकव्यापी कीर्ति कथाओं का आधार महाकाव्य महाभारत है। यह महान ग्रंथ महायुद्ध की महागाथा के रूप में लोक प्रतिष्ठित है और बहुसंख्यक लोग मानते हैं कि यदि श्रीकृष्ण अर्जुन को गीतोपदेश न सुनाते तो कदाचित युद्ध में हुआ नरसंहार टाला जा सकता था। यहाँ तक कि कौरव राजमाता गांधारी ने भी युद्ध के लिए कृष्ण को ही जिम्मेदार मानकर उन्हें कुलनाश का शाप तक दे दिया था।

महाभारत साक्षी है कि श्रीकृष्ण ने युद्ध टालने और शांति से कौरव-पांडवों में सुलह के प्रयास किए। वे शांति चाहते थे अतः शांतिदूत बनकर हस्तिनापुर भी गए। जब दुर्योधन पांडवों को उनका न्यायोचित राज्यभाग देने पर राजी न हुआ तब श्रीकृष्ण ने युद्ध का मार्ग सुनिश्चित किया। कृष्ण ने सिखाया कि पहले शांति का प्रयत्न श्रेष्ठ है। जब यह असफल हो तो शांति के लिए युद्ध करने में संकोच नहीं करना चाहिए।

युद्ध की नौबत क्यों आती है? इसका उत्तर शांतिदूत श्रीकृष्ण के कौरव सभा में धृतराष्ट्र और दुर्योधन के प्रति कहे गए वचनों में मिलता है। यदि लोक इनका अनुसरण करें तो हर देश, काल और परिस्थिति में जगत् भर में सदा शांति सम्भव है। अन्यथा महाभारत तो सबके मन-जीवन में मची ही है।

शांतिदूत श्रीकृष्ण ने धृतराष्ट्र से कहा था 'यत्र धर्मो ह्यधर्मेण सत्यं यत्रानृतेन च। हन्यते प्रेक्षमाणानां हतास्तत्र सभासदः।।' अर्थात् जहाँ सभासदों के देखते हुए अधर्म से धर्म का और झूठ से सत्य का गला घोंटा जाता है, वहाँ सभासद नष्ट हो जाते हैं।

फिर उन्होंने दुर्योधन से शांति स्वीकार का आग्रह करते हुए कहा था 'पृथक च विनिविष्टानां धर्मे धीरोऽनुरुध्यते। मध्यमोऽर्थे कलिं बालः काममेवानुरुध्यते।।' अर्थात् अलग-अलग स्थित हुए धर्म, अर्थ और काम में किसी को चुनना हो तो धीर व्यक्ति धर्म का अनुसरण करता है। मध्यम श्रेणी का व्यक्ति कलह के कारण धन को ग्रहण करता है और अधम व्यक्ति अज्ञान के वशीभूत होकर कामरूपी इन्द्रिय सुख का चयन करता है।

साधो! कौरवसभा में धृतराष्ट्र, भीष्म, द्रोण और कृपाचार्य की उपस्थिति में झूठ से सत्य का गला घोंटा गया और पांडवों के साथ अन्याय हुआ। दुर्योधन ने धर्म के बजाय अर्थ और कामसुख चुने, परिणाम में युद्ध हुआ और सब नष्ट हो गए। कृष्ण सदैव धर्म और सत्य की शिक्षा देते हैं। उनकी शिक्षा का पालन कर जीवन को शांतिमय बनाना ही इस जन्माष्टमी श्रीकृष्ण के प्रति सच्ची भक्ति है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

सभी जगह पूजी जाती हैं प्रतिभा

माहेश्वरी समाज का अर्थ ही है, प्रतिभा सम्पन्न समाज। एक ऐसा समाज जिसने सदैव अपनी प्रतिभा को सकारात्मक रूप से तराशा और उन्नति के शिखर की ओर बढ़ता ही चला गया। इसमें समाज के अपने संस्कारों व उनकी प्रेरणा का भी बड़ा योगदान है। वर्तमान में समाज अपनी प्रतिभा के बल पर औद्योगिक क्षेत्र में तो देश के शीर्ष व विश्व के दूसरे समाज के रूप में प्रतिष्ठित है ही, अन्य कई क्षेत्रों में भी समाजजन अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।

देश को सर्वाधिक उद्योगपति, सर्वाधिक व्यवसायी, सर्वाधिक जज, सर्वाधिक सीए, सर्वाधिक डॉक्टर, सर्वाधिक शीर्ष प्रोफेशनल आदि देने का श्रेय भी माहेश्वरी समाज को ही जाता है। इतना ही नहीं वर्तमान में कोई भी क्षेत्र माहेश्वरी प्रतिभा से अछूता नहीं है। जहाँ भी माहेश्वरी समाज ने कदम रखा शीर्ष की ऊँचाई की ओर कदम बढ़ाने में कोई कसर नहीं रख छोड़ी। इस सफलता का कारण है, समाज की संस्कारगत अपने कर्म के प्रति प्रतिबद्धता, जो उसे कठोर परिश्रम करने की क्षमता तो प्रदान करती ही है, साथ ही बौद्धिक क्षमता का विकास भी करती है। इसीलिये जब भी प्रतिभा सम्पन्न समाज की बात होती है, तो उसमें माहेश्वरी समाज का नाम अग्रगण्य होता है।

इस बार भी प्रतिवर्ष की तरह माहेश्वरी विद्यार्थियों ने विभिन्न परीक्षाओं में अपनी प्रतिभा का जमकर ध्वज फहराया है। श्री माहेश्वरी टाइम्स द्वारा लक्ष्य हासिल करने वाले समाज के 10 वीं और 12 वीं के विभिन्न बोर्ड परीक्षा के उन बच्चों का अपने प्रतिभा विशेषांक के माध्यम से सम्मान गत वर्ष की तरह इस बार भी किया जा रहा है, जो श्रेष्ठ अंक हासिल करने में कामयाब हुए। इस बार भी हम करीब ऐसे बच्चों को सम्मानित कर रहे हैं। इन बच्चों में कई ऐसे हैं जिन्हें लक्ष्य हासिल करने में अभाव का भी सामना करना पड़ा। लेकिन इन बच्चों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। वे दूसरों के लिए प्रेरणा भी बने हैं। हम उन बच्चों का भी अभिनंदन करते हैं जो इनसे कम अंक ला पाए और उनका भी जो सफलता की सीढ़ी नहीं चढ़ सके। जो मंजिल से दूर रह गए हैं, उनके लिए अभी अवसर खत्म नहीं हुए हैं। वे दोबारा मेहनत कर अपनी काबिलियत साबित कर सकते हैं। जो कमी रह गई उसे दोगुनी ताकत से पूरी करने का संकल्प कर आगे बढ़ें। जो विद्यार्थी इन परीक्षाओं में अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं कर पाये, वे यह भी याद रखें कि प्रतिभा का पैमाना सिर्फ ये परीक्षा ही नहीं होती। प्रतिभा की परिभाषा अत्यंत विशाल है। ऐसे भी कई उदाहरण हैं जिसमें लोगों ने किन्हीं कारणवश परीक्षाओं में असफलताओं के बावजूद हार न मानी और अपनी प्रकृति प्रदत्त प्रतिभा को तराशा तथा फिर सफल हुए। अतः यह हमेशा याद रखें असफलता एक आंशिक ठहराव है, अंतिम मुकाम नहीं। हमें अपनी चहुंमुखी प्रतिभा के विकास की ओर भी सदैव अग्रसर रहना है।

यह अंक समाज की प्रतिभाओं को समर्पित है। इसमें सभी स्थायी स्तंभों के साथ पठनीय और ज्ञानवर्द्धक सामग्री का समावेश किया गया है। निश्चित तौर से यह आपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा। अपनी प्रतिक्रिया से भी अवश्य ही अवगत करवाऐं।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

ख्यात समाजसेवी व समाज चिंतक के रूप में अपनी पहचान रखने वाले जिला राजसमंद (राज.) निवासी सत्यनारायण ईनानी का जन्म ग्राम चराणा जिला राजसमंद (राज.) में 3 जून 1959 को स्व. श्री सुन्दरलाल ईनानी एवं श्रीमती शांतादेवी ईनानी के यहाँ हुआ था। वड़ोदरा (गुजराज) में प्रथम माहेश्वरी के रूप में आपके दादाजी श्री नंदलाल ईनानी वर्ष 1940 से व्यवसाय हेतु यहाँ आ गये थे। अतः बचपन सहित जीवन का लम्बा समय वड़ोदरा में भी गुजरा। वर्ष 1980 में अहमदाबाद के ख्यात व्यवसायी व समाजसेवी प्रभुलाल काबरा की ज्येष्ठ सुपुत्री श्रीमती कमला से परिणय सूत्र में बंध गये। समाज सेवा के क्षेत्र में आप माहेश्वरी युवा संगठन वड़ोदरा के अध्यक्ष, माहेश्वरी समाज चोखंडी वड़ोदरा के अध्यक्ष, माहेश्वरी समाज संगठन वड़ोदरा के उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सदस्य तथा माहेश्वरी जिला सभा के उपाध्यक्ष के पद पर सेवा दे चुके है। वर्तमान में गुजरात माहेश्वरी सभा दक्षिणाचल के उपाध्यक्ष पद पर कार्यरत है। इसी के साथ ही राजस्थान ज्ञान गंगा समिति के सदस्य भी हैं, जो हर वर्ष भागवत सप्ताह तथा अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करती है। आपने कई स्कूल और गाँवों में अपना आर्थिक योगदान दिया है। आप पेशवर धातु व्यवसाय अंतर्गत सफलतापूर्ण **जानकीलाल एण्ड नंदलाल मेटल प्राईवेट लिमिटेड** का संचालन कर रहे हैं। इसके साथ Metallink, Aditya Precious Parts, Aabhushan Gold & Silver Showroom भी इनके प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान है। आपके परिवार में दो विवाहित पुत्री सेजल व मोना तथा विवाहित पुत्र केयूर व नाति-नातिन आदि से भरा परिवार भी आपके पद्चिन्हों पर अग्रसर है।

युवा वर्ग ही समाज का भविष्य

हम हमेशा गर्व करते हैं कि हम ऐसे माहेश्वरी समाज से हैं, जो विश्व के श्रेष्ठतम समाज में से एक हैं। हमारे समाज की सफलता की पताका विश्व के कोने-कोने में उद्योग व्यवसाय ही नहीं बल्कि मानवता की सेवा में भी फहर रही है। शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र हो, जिसमें माहेश्वरी समाज न अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर अपना उल्लेखनीय योगदान न दिया हो। इस सफलता का कारण हमारे अपने संस्कार व हमारी समस्त पीढ़ियों की कठोर मेहनत व समर्पण है।

इन सबके बावजूद वर्तमान में हमारी युवा पीढ़ी समाज की मुख्यधारा से दूर जा रही है। इसके पीछे कारण युवा पीढ़ी की कॅरियर के क्षेत्र में व्यस्तता बताई जा रही है। वास्तव में भौतिक उन्नति के लिये कॅरियर पर ध्यान केन्द्रित करना भी जरूरी ही है। जब तक हम शिक्षा व कॅरियर में अपने आपको आगे नहीं रखेंगे तो हमारा गौरव भी प्रभावित हुए बिना न रहेगा। अतः युवा वर्ग की शिक्षा तथा उनके लिये कॅरियर मार्गदर्शन पर समाज संगठन को तो केन्द्रीत होना ही होगा। वर्तमान में प्रशासनिक सेवा तथा राजनीति में समाज की युवा पीढ़ी की उपस्थिति और भी बढ़ाने की आवश्यकता है। यदि हम यह कर पाऐ तो ही अल्पसंख्यक होकर भी अपना अस्तीत्व व सम्मान बचा पाऐंगे।

युवा वर्ग की व्यस्तता तो सही है, लेकिन उनकी माहेश्वरी संस्कारों से भी दूरी बढ़ना असामान्य है। इसका कारण कहीं न कहीं हमारी पारिवारिक व सामाजिक स्तर की कमी अवश्य है कि हम उन्हें समाज की उपलब्धि, उसकी विकास यात्रा व इस विकास यात्रा के आधार स्तम्भ समाज के आदर्शों से उन्हें ठीक से परिचित नहीं करवा पाऐ। अतः वर्तमान दौर की यह नितांत आवश्यकता है कि हम उन्हें समाज की पूर्ण जानकारी अवश्य दें। जिससे वे भी अपने आपके माहेश्वरी होने पर गर्व कर सकें। जब हम यह करने में सफल होंगे तभी युवाओं की समाज से बढ़ती दूरी व आदि समस्याओं पर लगाम कस पाऐंगे।

युवा वर्ग को यदि समाज से जोड़े रखना है, तो इसके लिये संगठनों में युवावर्ग की भागीदारी बढ़ानी होगी। समाज में एक बड़ा युवा वर्ग है, जो समाज संगठन को अपनी सक्रिय सेवा देना चाहता है, लेकिन उनकी शिकायत होती है कि उन्हें पर्याप्त अवसर नहीं मिलता। अतः ऐसे वर्ग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। इससे उनके साथ सम्पूर्ण युवा वर्ग भी समाज की मुख्य धारा की ओर अवश्य ही आकृष्ट होगा। इसका दूसरा प्रभाव यह होगा कि समाज संगठन के विभिन्न आयोजकों का स्वरूप भी धीरे-धीरे युवाओं के अनुरूप होता चला जाऐगा। जब तक हम समाज संगठनों में युवा वर्ग की भागीदारी बढ़ाकर उन्हें आकृष्ट नहीं करेंगे, उन्हें समाज की मुख्य धारा में नहीं ला सकते। उन्हें वर्तमान दौर में महसूस करवाने की भी आवश्यकता है कि कोई भी उन्नति सही मायने में तभी तक उन्नति कही जा सकती है, जब तक वह संस्कारों में आबद्ध है, अन्यथा उसके कोई मायने नहीं।

सत्यनारायण ईनानी, वड़ोदरा (गुजराज)
अतिथि सम्पादक

श्री बाकल माताजी

टीम SMT

श्री बाकल माताजी को कहीं-कहीं बैकेश्वरी माताजी या बीसल माताजी भी कहा गया है। इन्हें मुख्यतः लड्ढा खाँप वाले परिवार ही मानते और पूजते है। किन्तु कुछ अंशों में डागा खाँप वाले भी पूजते है।

श्री बाकल माताजी का मंदिर राजस्थान के जोधपुर जिले में उम्मेद नगर पर स्थित है। जब तक माँ बाकल माताजी के इस स्थान का पता नहीं था, तब तक लड्ढा खाँप वाले सच्चियाय माता को ही पूजते थे। किन्तु प्रथक से पता चलने पर यह स्थान प्रकाश में आया और अब अधिकतर लड्ढा खाँप वाले बाकल माताजी को ही पूजते है। लड्ढा खाँप की गौत्र सिलांस व सपीबंधर है। माताजी का स्थान जोधपुर के औसियाँ मार्ग पर उम्मेद नगर बस स्टेण्ड से 5 कि.मी. की दूरी पर दीपली, भाखरी नामक स्थान पर एक पहाड़ी के ऊपर हैं। माहेश्वरी समाज के उम्मेद नगर में कुछ समय पूर्व 90 घर थे लेकिन अब औसियाँ व अन्य स्थानों पर चलें जाने से केवल 6 घर हैं। यहाँ सभी लड्ढा खाँप के ही परिवार है। माताजी के स्थान पर केवल एक चबूतरा था, जहाँ माताजी की प्रतिमा स्थापित थीं। इसे ही पूजा जाता था। अब यहाँ एक मंदिर का निर्माण किया गया है। वहाँ शीघ्र ही मकराना पत्थर की एक नई प्रतिमा स्थापित की जा रही हैं।

विशेष आयोजनः

केवल नवरात्रि में ही यहाँ ज्योति के दिव्य दर्शन होते हैं। नवरात्रि में प्रातः संध्या दीप ज्योति होती है। वर्ष में एक बार जागरण का आयोजन भी होता है। यहाँ दर्शन के लिए दूर-दूर से श्रद्धालुजन आते हैं। जन सहयोग से ऊपर जाने के लिए सीढ़ियाँ व अन्य निर्माण प्रस्तावित व प्रक्रिया में है।

कहाँ ठहरे यहाँ आने वाले समाजजनों के ठहरने की व्यवस्था के लिए यहाँ रहने वाले प्रत्येक परिवार यथा संभव सहयोग के लिए तत्पर रहते है। समीप के शहर जोधपुर में माहेश्वरी भवन आदि भी हैं। जहाँ ठहरा जा सकता है, इसके अलावा जोधपुर एवं औसियाँ में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होटल भी उपलब्ध हैं।

कैसे पहुँचे जोधपुर व औसियाँ के मध्य में औसियाँ से 22 कि.मी. जोधपुर की ओर तथा जोधपुर से 35 कि.मी. औसियाँ की ओर मठानिया रेल्वे स्टेशन से उम्मेद नगर 4 कि.मी. एवं नागौर मार्ग से व्हाया भवाद आने पर बावड़ी से 24 कि.मी. की दूरी पर हैं। औसियाँ में रेल व बस सुविधा उपलब्ध हैं।

प्रमुख सम्पर्क बिंद

▸▸ **बाबूदास वैष्णव जी** (मन्दिर पुजारी जी)
उम्मेद नगर तह. औसियाँ जिला-जोधपुर, मो. 92522 43946

▸▸ **घनश्याम जी लड्ढा**
उम्मेद नगर तह. औसियाँ जिला-जोधपुर, मो. 97841 10148

पद्मश्री बंसीलाल राठी को 'विशिष्ट सेवा सम्मान'

चैन्नई। महेश नवमी के पावन पर्व पर आयोजित महेश गौरव सम्मान समारोह में पद्मश्री बंसीलाल राठी अस्वस्थता की वजह से शामिल नहीं हो पाये थे। यह कार्यक्रम माहेश्वरी सभा, तमिलनाडु, केरल, पॉण्डिचेरी स्तर पर आयोजित किया गया था। गत दिनों किलपॉक स्थित उनके निवास स्थान पर माहेश्वरी समाज के गणमान्यजनों की उपस्थिति में श्री राठी को विशिष्ट सेवा सम्मान से नवाजा गया। श्री माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष डॉ. अशोक जे मूंधड़ा ने अपनी अनुपस्थिति में अपने वॉएस रिकॉर्डिंग द्वारा पूरे माहेश्वरी समाज की तरफ़ से बधाई संप्रेषित की। उन्होंने कहा कि बाबूजी ने पूरा जीवन समाज सेवा में लगा दिया, जो कभी भुलाया नहीं जा सकता।

तमिलनाडु केरल पॉण्डिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष प्रमोद मालपानी ने कहा कि पद्मश्री राठी चेन्नई में माहेश्वरी समुदाय में बाबूजी के नाम से प्रसिद्ध हैं। उनका जीवन और कार्य उनके सेवा और समर्पण के उच्चतम आदर्शों को प्रकट करता है, जो हमारे समाज के लिए गर्व की बात है। सम्मान की कड़ी में पद्मश्री बंसीलाल राठी को शाल से माहेश्वरी सभा के सचिव संजय मूँदडा मोमेंटो से मद्रास माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी अशोक लखोटिया एवं तमिलनाडु केरल पॉण्डिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष प्रमोद मालपानी ने विशिष्ट सेवा सम्मान के स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में पद्मश्री बंसी लाल राठी ने बताया कि समाज को गोरवान्वित करने वाले महेश गौरव सम्मान में चयनित होना बड़े गर्व की बात है।

सम्मान के पूर्व एलईडी के माध्यम से पद्मश्री बंसीलाल राठी का पूरा जीवन परिचय दिखाया गया। इस अवसर पर, तमिलनाडु केरल पॉण्डिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पदाधिकारी अशोक लखोटिया, ओमप्रकाश बागडी, जय प्रकाश मालपानी, महेन्द्र मोहता, मोहन दम्मानी, नवल राठी, कल्याण सिंह मोहता, कृष्ण कुमार माहेश्वरी, कुमार फ़ॉमरा, गोविंद मूंदड़ा, कमल फलोर, हरिकिशन मूंधडा, नरेन्द्र राठी, अमित माहेश्वरी, जेठमल सारडा, देव किशन काबरा, सुरेश भट्टर, सुधीर मूंधड़ा, प्रेमलता टावरी, मुकुल डागा, नरेंद्र बागड़ी, पंकज मोहता आदि कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन ममता बागड़ी ने किया। सचिव संजय मूंदड़ा ने आभार व्यक्त किया।

जगन्नाथ रथ यात्रा का स्वागत

अकोला। गत 7 जुलाई को इस्कॉन अकोला द्वारा श्री वैधरभी चरणदास प्रभुजी के मार्गदर्शन में श्री जगन्नाथ यात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया। समाजजनों द्वारा सभी भक्तों के लिए शीतपेय (Fruit Juice) की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर आशीष डोडिया, प्रियंका डोडिया, कपिल ठक्कर, अनिल ठक्कर, छवि डोडिया, अनुभव डोडिया आदि उपस्थित थे।

विद्यालय में लगाया वाटर कूलर

ब्यावर (राज.)। सेवा की श्रृंखला में लायंस क्लब द्वारा आदर्श विद्या मंदिर में एक वाटर कूलर आशीष ललित झंवर के सहयोग से भेंट किया गया। इसमें उपप्रान्तपाल राम किशोर गर्ग, संभागीय अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष पुनीत टवाणी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। इसी के साथ लायन राजीव झंवर और लायन आशीष ललित झंवर के सहयोग से 21 बच्चों को कॉपी-किताब के सेट और ट्रैकसूट वितरित किए गए। विद्यालय में तरह-तरह के फल-फ्रूट के 21 पौधे भी लगाए गए।

वरिष्ठ व मेधावी सम्मान समारोह

भीलवाड़ा। चन्द्रशेखर आजाद नगर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा महेश नवमी महोत्सव के अंतर्गत स्वजातीय मेधावी छात्र-छात्राओं एव वरिष्ठजनों को सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय मंत्री दिनेश हेड़ा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ केसर ग्रुप के कमल सोनी, जिलाध्यक्ष अशोक बाहेती, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष प्रदीप बल्दवा, उपाध्यक्ष रामकिशन सोनी, जिला मंत्री रमेश राठी, जिला कोषाध्यक्ष सुशील मरोटिया आदि ने किया। केसर कुंज के कमल सोनी द्वारा लकी ड्रा के ईनाम निकाले गए। कार्यक्रम के दौरान हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, प्रोफेशनल क्षेत्र के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय अध्यक्ष रामनिवास समधानी ने बताया कि वरिष्ठजनों को दुपट्टा, शॉल ओढ़ाकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में राजेन्द्र माहेश्वरी, सत्यनारायण काष्ट, परमेश्वर बांगड़, रमेश जागेटिया, अशोक बसेर आदि का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन कृष्ण गोपाल सोमानी ने किया।

मोतियाबिंद जांच शिविर सम्पन्न

रतनगढ़। रतनगढ़ माहेश्वरी सभा ट्रस्ट व स्व. श्री मदनलाल एवं स्व. श्रीमती कमला देवी तापड़िया की स्मृति में उनके परिजनों द्वारा शंकरा आई हॉस्पिटल व जिला अंधता निवारण समिति, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क मोतियाबिंद जांच व नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन माहेश्वरी भवन में हुआ। शिविर प्रभारी नरेंद झंवर ने बताया कि शिविर में 90 मरीजों की मोतियाबिंद जांच कर 36 मरीजों का चयन नेत्र लेंस प्रत्यारोपण के लिए किया गया। चयनित रोगियों को ऑपरेशन के लिए जयपुर ले जाया गया। दिनेश तापड़िया, संजू तापड़िया, विनीत तेनानी, रतनगढ़ ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष गजेन्द्र, खुदरा व्यापार संघ के जयप्रकाश इन्दोरिया, थोक व्यापार के दीनदयाल खेतान आदि ने शिविर का शुभारंभ किया। माहेश्वरी सभा के तहसील अध्यक्ष राकेश जाजू ने आगंतुक अतिथियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर नगर के अनेक गणमान्य व सैकड़ों मरीज उपस्थित थे।

विश्व योग दिवस पर आयोजन

भोपाल। माहेश्वरी युवा संगठन दक्षिणांचल भोपाल द्वारा महेश नवमी एवं विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य पर "YOGA - A WAY OF LIFE" कार्यक्रम का भोजपुर क्लब में आयोजन किया गया। युवा संगठन अध्यक्ष चिन्मय बजाज ने बताया कि इस योग के कार्यक्रम में आसन, प्राणायाम और ध्यान तीनों पहलुओं का अभ्यास किया गया। इस मौके पर माहेश्वरी युवा संगठन दक्षिणांचल की पूरी कार्यकारिणी मौजूद रही, जिसमें स्वप्निल माहेश्वरी, प्रखर जाजू, कुंवर बांगड़, पुनीत भट्टर, गिरिराज मोलासारिया, अंशुल बजाज आदि सहित समाज के कई वरिष्ठ जन, महिला संगठन एवं युवा संगठन के साथी भी उपस्थित थे।

पुण्य स्मृति में लगाया वाटर कूलर

फरीदाबाद। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा स्वर्गीय श्रीमती कौशल्या देवी और स्वर्गीय श्रीमती दुर्गा देवी बिहानी की स्मृति में सुगन चंद गिरधारी मल बिहाणी (श्री डूंगरगढ़) के सौजन्य से अशोक वाटिका पार्क सेक्टर 7ई. में 80 लीटर क्षमता का वाटर कूलर लगाया गया। इसका शुभारम्भ गत 30 जून प्रातः 10:00 बजे किया गया। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कमल आगीवाल, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के सचिव श्रवण मिमानी, माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष रामकुमार राठी, माहेश्वरी मंडल के सचिव महेश गट्टानी, माहेश्वरी मंडल के संयुक्त सचिव राकेश सोनी, माहेश्वरी सेवा के डॉ. अरुण माहेश्वरी, उपाध्यक्ष ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील सोमानी, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष मालचंद जाजू, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष मनोहरलाल चौहान, वरिष्ठ नागरिक संगठन अध्यक्ष सुशील माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

"शब्द भी एक प्रकार का भोजन है, किस समय कौन-सा शब्द परोसना है, बस इतना समझ आ जाए, तो दुनिया में आपसे बेहतर रसोइया कोई नहीं।"

डॉ. मूंदड़ा ने हार्ट अटैक पर दिया मार्गदर्शन

नागपुर। नगर ज्येष्ठ माहेश्वरी सभा में सुप्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. प्रमोद मूंदड़ा ने हार्ट अटैक से पूर्व बेहोशी की स्थिति में बेसिक लाइफ सपोर्ट की जानकारी दी। नागपुर नगर ज्येष्ठ माहेश्वरी सभा की माहेश्वरी पंचायत भवन सीताबर्डी में वार्षिक सर्व साधारण सभा का आयोजन किया गया जिसमें 150 से अधिक पुरुषो एवं महिलाओं की उपस्थिति रही। यह कार्यक्रम कन्हैयालाल मानधना की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। सचिव मधुसूदन सारडा ने सभा का संचालन किया और सदस्यों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन कमल तापड़िया ने किया। संयोजक प्रकाश चांडक ने बताया कि सुप्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. मूंदड़ा ने हृदय रोग से संबंधित विस्तृत जानकारी देते हुए विशेष रूप से हार्ट अटैक से पूर्व बेहोशी की स्थिति में डॉक्टरों की टीम के आने तक बेसिक लाइफ सपोर्ट द्वारा मरीज की हृदय गति को चालू रखने की प्रक्रिया का डेमो करके दिखाया। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के निवर्तमान सभापति श्यामसुंदर सोनी ने भी संबोधित किया। संस्था ने अपने वरिष्ठ सदस्य उम्र 80 प्लस वालों का शॉल, श्रीफल देकर सत्कार किया। अन्य सदस्यों की जन्मतिथि और सालगिरह पर उनका पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में गोविंदलाल सारडा, विनोद लखोटिया, वसंत सांवल, दामोदर तोषनीवाल, कल्याणदास चांडक, ललित गांधी, हरिदास भट्टड, रतनलाल लाहोटी, भगवानदास राठी, राकेश भैया, शिवदास राठी, रमेश पचीसिया, सुभाष चांडक आदि उपस्थित थे।

डायलिसिस और कार्डियक आटोक्लेव मशीन का शुभारंभ

मुंबई। लायंस क्लब ऑफ छत्रपति संभाजी नगर मिडटाउन के 35वें उद्घाटन समारोह में 16 लाख रुपये की एक डायलिसिस मशीन और एक ऑटोक्लेव मशीन जनता को समर्पित की गई। मुंबई के पूर्व गवर्नर उमेश गांधी ने 35वें अध्यक्ष सीए नंदकिशोर मालपानी, सचिव राजदीप सिंह चावला, कोषाध्यक्ष प्रदीप तायल, उपाध्यक्ष राजेंद्र माहेश्वरी और निदेशक मंडल ने मशीनों का उद्घाटन अभिनव तरीके से किया। मेडिकल पार्क का काम भी आने वाले साल में शुरू हो जायेगा। इस पार्क के माध्यम से जरूरतमंदों को उचित इलाज और आम जनता को सहायक जीवनयापन सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

डॉ. पोरवाल का डेंटल क्लिनिक टॉप 10 में शामिल

कोयंबटूर (तमिलनाडू)। समाज सदस्य विमल कांकाणी एंव अन्नु कांकाणी की पुत्रवधू डॉ. रुची पोरवाल धर्मपत्नी सिद्धार्थ कांकाणी पेशे से डेंटिस्ट (डॉक्टर) हैं। उनके डेंटल क्लिनिक 'डॉ. रुचीस क्लिनिक' को हाल ही में, भारत के प्रमुख महिलाओं द्वारा स्थापित उच्चस्तरीय शिखर के (टॉप) 10 डेंटल क्लिनिक मे शामिल किया गया है। यह समीक्षा एवं जानकारी 'वुमन एंटरप्रनर रिव्यू मेगजीन' द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर दी गई है।

मधु भूतड़ा हुई सम्मानित

उदयपुर। श्री माहेश्वरी समाज की संस्था 'अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब' द्वारा जयपुर की मधु भूतड़ा 'अक्षरा' को उनकी सामाजिक एवं वैचारिक सेवा हेतु 'सामाजिक चेतना सम्मान' से सम्मानित किया गया है।

मंदाकिनी बनी अध्यक्ष

मुंबई। मंदाकिनी-मानकचंद काबरा, मुलुंड को माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल, पुणे द्वारा संचालित नव निर्मित नुवाल पनपालिया कन्या छात्रावास (गर्ल्स होस्टेल) ऐरोली, नवी मुंबई में वर्ष 2024 - 2025 के लिये अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

राठी बने एसोसिएशन अध्यक्ष

उज्जैन। शैलेंद्र राठी उज्जैन पोहा परमल एसोसिएशन के सर्व सम्मति से अध्यक्ष चुने गये। उन्होंने सदस्यों को आश्वस्त किया कि एसोसिएशन के हितों के लिए सर्वोत्तम कार्य करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

भट्टर बनी मंत्रालय सदस्य

सीहोर। जनशिक्षण संस्थान सीहोर की ओर से भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय मे मध्यप्रदेश के सीहोर मंडी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन एवं लघु उद्योग भारती की सदस्य महिला उद्यमी कान्ता भट्टर पत्नी स्व. श्री देवकीनंदन भट्टर को पुनः दूसरी बार स्थानीय नियोक्ता एवं इंडस्ट्री प्रतिनिधि हेतु अगले तीन वर्षो के लिये सदस्य मनोनित किया गया। इनका कार्यकाल अप्रैल, 2024 से मार्च, 2027 तक प्रभावी है।

रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन

संगरिया। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा समाज के वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमीं के अवसर पर प्राचीन श्रीराम पंचायती मंदिर (बड़ा मंदिर) के शिवालय में सामूहिक रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। युवा संगठन के कपिल करवा ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सीताराम सोमानी, माहेश्वरी सभा के प्रदेश संयुक्त मंत्री बाबूलाल राठी, पूर्व अध्यक्ष देवकिशन लखोटिया, सभा अध्यक्ष लखन करवा, उपाध्यक्ष संजय सोमानी, सचिव महेश लखोटिया, कोषाध्यक्ष पवन राठी, युवा संगठन अध्यक्ष नवनीत पेड़ीवाल, उपाध्यक्ष दिवेश राठी, सचिव गौरव सोमानी सहित महिला मंडल सदस्य उपस्थित रहीं।

स्वास्थ्य परिचर्चा का हुआ आयोजन

इंदौर। महिलाओं में समय से पहले कैंसर जाँच कराने के फायदे विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसमें बॉम्बे हॉस्पिटल के प्रसिद्ध कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सुयश अग्रवाल द्वारा समय-समय पर जाँच करवाने की जानकारी एवं उससे होने वाले लाभ से सभी को अवगत करवाया। परिचर्चा में 90 से अधिक महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष गोपाल लाहोटी, मंत्री पंकज काबरा, कोषाध्यक्ष रामजस जेथलिया, संगठन मंत्री दीपक भूतड़ा, ओम गगरानी, कमलेश नवाल, महेश नवमी संयोजक विजय चांडक, अखिल भारतीय महिला मंडल समिति प्रभारी नम्रता बियानी, अहिल्यांचल प्रदेश सहमंत्री किरण लखोटिया, सखी संगठन अध्यक्ष भावना लाहोटी, सचिव वंदना तापड़िया आदि उपस्थित थे। संचालन सचिव अर्चना भूतड़ा ने किया।

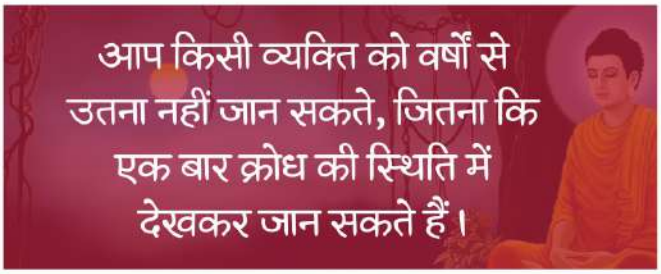

स्कूल जाने के लिये किया प्रेरित

बूंदी। सामर्थ्य सोसायटी द्वारा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने व ड्रॉप आउट बालिकाओं को विद्यालय जाने के लिए प्रेरित किया। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि बस्तियों में रहने वाली लड़कियों को विद्यालय जाने हेतु प्रेरित किया गया। बहुत सारी लड़कियां व बच्चे विद्यालय जाने से वंचित हैं। जो लड़कियां ड्रॉप आउट है, उनके सामने काम का बोझ व पारिवारिक समस्याएं हैं। प्रशासन द्वारा भी इन बालिकाओं को जागरूक करने के लिए उच्च स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए।

पुस्तक 'योगम नित्यम' का विमोचन

जोधपुर। प्रसिद्ध योग गुरु संतोष जैसलमेरिया की नई कृति 'योगम नित्यम' का चौपासनी मंदिर में विमोचन हुआ। इस अवसर पर संतोष जैसलमेरिया ने कहा कि मेरी यह पुस्तक मेरे बीस वर्षों के अनुभवों का निचोड़ है। पुस्तक में न सिर्फ योग के माध्यम से स्वस्थ रहने की जानकारी दी गई है बल्कि आसन, ध्यान और प्राणायाम के तरीके एवं इनसे होने वाले लाभों के बारे में भी विषद वर्णन है। समारोह में आशीर्वाददाता के रूप में चौपासनी मंदिर के महाराज श्री मुकुट बाब, बहूजी रत्नप्रभा एवं पुष्टि राजा उपस्थिति थे। जमना, अलका, कवयित्री स्वाति जैसलमेरिया, सत्यनारायण जैसलमेरिया सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कुलदेवी दर्शन महाकुंभ का आयोजन

इचलकरंजी। तहसील माहेश्वरी सभा एवं तहसील माहेश्वरी महिला संगठन, इचलकरंजी द्वारा कुलदेवी दर्शन महाकुंभ एवं कुलदेवी महात्म्य पर 2 दिन के प्रवचन का आयोजन गत 2 से 4 जुलाई तक किया गया। इसमें राजस्थानी और खासकर महेश्वरी समाज की 45 कुलदेवी की प्रतिमा लगाकर माता का अनुष्ठान एवं ज्योत के साथ मातृका चंडी हवन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य यजमान लक्ष्मीकांत भट्टड का विशेष सहयोग रहा। उमेशचंद राठी, लक्ष्मीकांत मालपाणी, कैलास खटोड, दिनेश बांगड, पद्मा लढा, पद्मा खाबानी, सीता राठी, चंद्रकांता लाहोटी के साथ दोनों संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण ने विशेष योगदान दिया।

नेट प्रोटेक्टर ने आयोजित किया साइबर सुरक्षा सम्मेलन

मुंबई। नेट प्रोटेक्टर एंडपॉइंट सिक्योरिटी ने गत 22 जून को नोवोटेल मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट, अंधेरी ईस्ट, मुंबई में एक सफल साइबरसिक्योरिटी और एंडपॉइंट सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व निदेशक संजीव केला और सुमीत केला ने किया। उल्लेखनीय है कि नेट प्रोटेक्टर साइबर सिक्योरिटी में 33 साल से विश्वास का प्रतीक है। इस सम्मेलन का उद्देश्य साइबर हमलों के नवीनतम रुझानों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस कार्यक्रम में नेट प्रोटेक्टर के अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा समाधानों का प्रदर्शन किया गया। ग्रेटर मुंबई के 220 से अधिक शीर्ष आईटी पेशेवरों और नेटवर्क सुरक्षा विशेषज्ञों सहित उपस्थित लोगों ने हैकिंग, डेटा उल्लंघनों (ब्रेचिंग) और अन्य विषयों पर विभिन्न सत्रों में भाग लिया। तकनीकी प्रमुख सुमीत केला ने नेट प्रोटेक्टर के एंडपॉइंट सुरक्षा समाधानों का प्रदर्शन किया, जिसमें ईपीएस वेब कंसोल, एटॉमिक टाइम, क्रिप्टन एंटरप्राइज बैकअप और आईटी प्रो मैनेज शामिल हैं।

ये रहा इसमें खास

कांफ्रेंस में उन्नत सुरक्षा समाधानों का लाइव प्रदर्शन करते हुए उद्योग जगत के लीडर्स के साथ नेटवर्किंग के अवसर व नवीनतम साइबर सुरक्षा प्रवृत्तियों और खतरों के बारे में जानकारी साझा की। नेट प्रोटेक्टर ने सभी ऑपरेटिंग सिस्टमों में खतरों से बचाव के लिए अभिनव उत्पाद भी लॉन्च किए, जो कॉर्पोरेट्स, सरकारी निकायों, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और रक्षा क्षेत्र को सेवाएं प्रदान करते हैं। उल्लेखनीय है कि नेट प्रोटेक्टर नागरिकों को साइबर खतरों से निपटने में मदद करने के लिए व्यापक साइबर धोखाधड़ी सहायता प्रदान करता है।

सायबर सुरक्षा पर कार्यशाला सम्पन्न

इंदौर। विशेष पुलिस महानिदेशक डॉ. वरूण कपूर द्वारा 'Black Ribbon Initiative' 'सहयोग' अभियान के तहत श्री माहेश्वरी समाज संयोगितागंज, इंदौर के लिये महेश नवमी उत्सव पर 'सायबर सुरक्षा एवं जागरूकता' विषय पर 12 जून को माहेश्वरी भवन, संयोगितागंज में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें माहेश्वरी समाज के 335 समाजजनों ने भाग लिया। गोपाल लाहोटी द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। संजय चांडक एवं बसंतीलाल सोमानी द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर डॉ. वरूण कपूर का स्वागत किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. कपूर द्वारा सायबर अपराध के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई व बताया कि सायबर अपराधी हमारे द्वारा सोशल मीडिया पर दी गई जानकारी का उपयोग कर सायबर अपराधों को अंजाम देते हैं। कार्यशाला में उपस्थित माहेश्वरी समाजजनों द्वारा अपनी जिज्ञासा प्रश्नों के माध्यम से रखी गई। जिनका समाधान डॉ. कपूर ने सहजता से किया। कार्यशाला का संचालन विजय चांडक एवं आभार प्रदर्शन सौरभ राठी द्वारा किया गया। दीपक भूतड़ा एवं रामजस जेथलिया द्वारा डॉ. कपूर को स्मृतिचिन्ह प्रदान किया गया।

कृति चैस में प्रथम

मुम्बई। कृति बिनानी, सुपुत्री सूरज कुमार बिनानी (पौत्री श्री गोवर्धन दास जी बिनानी) ने स्कूल जोनल चैस कंपीटिशन, मुम्बई में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

काबरा मानद डॉक्टरेट से सम्मानित

जोधपुर । भारत सरकार के कॉर्पोरेट अफेयर एवं स्कील डेवलपमेन्ट एंड इंटरप्रेन्यौरशिप मंत्रालय से अनुमोदित संस्था वर्ल्ड ह्यूमन राइट प्रोटेक्शन कमीशन द्वारा रामानंद काबरा को मानद डॉक्टरेट की उपाधि फास्टेरिंग यूनिटी एंड सोसिअल हार्मोनी के लिये देने की 10 जुलाई को घोषणा की गयी। यह उपाधि आगामी 31 अगस्त को नई दिल्ली में एक भव्य समारोह में अतिथियों द्वारा प्रदान की जायेगी। इसके साथ गौरवमेंट ऑफ़ यूनाइटेड स्टेट ऑफ़ अमेरिका, और स्टेट ऑफ़ न्यूयोर्क डिपार्टमेंट ऑफ़ स्टेट इंटरनेशनल औरगेनाइजेशन द्वारा भी मानद सदस्यता श्री काबरा को दी गयी है।

खरी-खरी...

हमेशा ही कहो क्यों
दूसरों की पोल खोलें हम
कभी फ़ुरसत मिले तो
अपनी कमियाँ भी टटोलें हम
सुनिश्चित मानिये
हम भी नहीं हैं दूध के धोये
स्वयं से तौल लें,
फिर अन्य के बारे में बोलें हम.

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

वरिष्ठजनों का किया सम्मान

उज्जैन। उद्योगपति रमेश साबू की अध्यक्षता में समाज वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान किया गया। इसमें समाज के वरिष्ठ रमेश बहेड़िया, ब्रहम्स्वरूप जाजू एवं चन्द्रशेखर मूंदड़ा का शाल-श्रीफल व साफा पहनाकर गरिमामय सम्मान किया गया। कैलाश माहेश्वरी, आनन्द बांगड़, महेश लढा, राधेश्याम चोखडा, ओमप्रकाश काबरा, रूप नारायण झंवर, गिरीश भट्टर, निलेश कोठारी एवं अक्षय धूत आदि उपस्थित रहे। इसके बाद मेधावी छात्र-छात्राओं का भी सम्मान कर उन्हें पुरस्कृत किया गया। यह कार्यक्रम युवा संगठन द्वारा महेश मेला के अंतर्गत आयोजित किया गया।

योग शिविर का किया आयोजन

कोलकाता। दक्षिण कलकत्ता माहेश्वरी सभा, दक्षिण कोलकाता माहेश्वरी महिला संगठन एवम दक्षिण कोलकाता युवा माहेश्वरी संगठन के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गत 21 जून को योगा शिविर का आयोजन लायंस क्लब, देशोप्रिया पार्क कोलकाता मे प्रातः 6.00बजे से 8 बजे तक किया गया। योग प्रशिक्षक द्वारा सभी को योग और मेडिटेशन के बारे में जानकारी दी गई, साथ ही साथ सभी को योग और मेडिटेशन भी कराया। साहित्यकार शशि लाहोटी ने योग के इतिहास पर एक कविता पढ़ी। कार्यक्रम को सफल करने में अमृतांशु मांधना, राजेश नागोरी, मुरली मनोहर मांधना, अरुण गग्गड़, राम किशोर मांधना, रोहित सोमानी, पुनीत गग्गड़, अभिषेक तोषनीवाल आदि सभा, महिला और युवा संगठन के कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा।

श्री देवपुरा का हुआ सम्मान

उज्जैन। श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत एवं ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष नृसिंह देवपुरा का धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में दीर्घकालीन सीमा के लिये सम्मान किया गया। विगत दिनों अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सभापति संदीप काबरा का उज्जैन आगमन हुआ। उनके सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में माहेश्वरी सभा द्वारा सचिव वीरेंद्र महिमा गट्टानी के सौजन्य से वरिष्ठ समाजसेवी श्री देवपुरा का सम्मान किया गया। इसमें श्री देवपुरा को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। उल्लेखनीय है कि श्री देवपुरा वर्तमान में श्री चारभुजानाथ मंदिर गोलामण्डी, उज्जैन के मंदिर समिति संयोजक के रूप में सेवा दे रहे हैं। इस कार्यक्रम में पुष्प मंत्री, अजय झंवर, पश्चिमांचल महिला मण्डल अध्यक्ष उषा सोडानी, जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, माहेश्वरी सभा अध्यक्ष कैलाश नारायण राठी, सचिव वीरेंद्र गट्टानी, ट्रस्ट अध्यक्ष प्रकाशचंद्र सोडानी, सचिव अतुल देवपुरा, कोषाध्यक्ष कमलेश मंत्री एवं वरिष्ठ समाजजन व महिला मण्डल सदस्य उपस्थित थी।

सुपर मार्केट निर्माण का भूमिपूजन

बीकानेर। श्री दम्माणी पंचायत ट्रस्ट के श्री कोलायत (बीकानेर) के भूमिखण्ड पर गत 12 जुलाई को दम्माणी भवन एवं सुपर मार्केट के निर्माण हेतु भूमि-पूजन का कार्यक्रम पं. पुरुषोत्तम व्यास के सान्निध्य में रखा गया। इसमें दम्माणी ग्रुप के प्रमुख रामकिशन दम्माणी ने विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात पहला पत्थर स्थापित किया। बीकानेर के दम्माणी भाईपा के कई सदस्यों ने भूमि-पूजन के इस कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों के साथ शिरकत की। अध्यक्ष सुरेश कुमार ने मार्केट के प्लान से अवगत कराया। सचिव नारायण दास दम्माणी ने सभी विगत एवं भावी कार्यक्रमों की जानकारी दी। भूमि -पूजन के पश्चात सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।

विद्यालय में किया पौधारोपण

भीलवाड़ा। माडंल माहेश्वरी सेवा समिति भीलवाड़ा द्वारा अध्यक्ष सुरेश चन्द्र बिडला के नेतृत्व मे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गाँव रूपाहेली (सुवाणा) में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूल परिसर में सेवा समिति द्वारा 111 छायादार व नीम पीपल के पौधे लगाने का लक्ष्य रखकर कार्यक्रम का शुभारम्भ दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी की अध्यक्षता में किया गया। समिति अध्यक्ष सुरेशचन्द्र बिडला ने बताया कि कार्यक्रम में प्रादेशिक माहेश्वरी महासभा के संगठन मंत्री ओमप्रकाश गट्टाणी, देवेन्द्र सोमाणी, माहेश्वरी सेवा समिति उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद बिडला, कोषाध्यक्ष सुशील बिडला सहित समिति के सदस्य रामनारायण बिडला, रमेशचन्द्र बिडला, कमलेश जाजू, पुरुषोत्तम ईनाणी, अशोक बिडला आदि उपस्थित थे। अंत में सचिव सचिव राजकुमार मून्दडा ने सभी का आभार ज्ञापित किया गया।

मेधावी छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

भीलवाड़ा। चन्द्रशेखर आजाद नगर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा महेश नवमी महोत्सव को लेकर स्वजातीय मेधावी छात्र-छात्राओं एव वरिष्ठजनो को सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय मंत्री दिनेश हेड़ा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ केसर ग्रुप के कमल सोनी,जिलाध्यक्ष अशोक बाहेती, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष प्रदीप बल्दवा, उपाध्यक्ष रामकिशन सोनी, जिला मंत्री रमेश राठी, नगर अध्यक्ष केदार गगरानी, सचिव संजय जागेटिया, मुख्य संयोजक व पूर्व पार्षद राधेश्याम सोमानी आदि ने किया। केसर कुंज के कमल सोनी द्वारा लकी ड्रा के ईनाम निकाले गए। कार्यक्रम के दौरान में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, प्रोफेशनल छात्र-छात्राओं के मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ ही वरिष्ठजनो को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राजेन्द्र माहेश्वरी, सत्यनारायण काष्ट, परमेश्वर बांगड़, रमेश जागेटिया, अशोक बसेर आदि समस्त सदस्यों का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन कृष्ण गोपाल सोमानी ने किया।

रामस्नेही चिकित्सालय को अवार्ड

भीलवाडा। मेडीजेन्स हेल्थकेयर अहमदाबाद द्वारा आयोजित कॉन्क्लेव कार्यक्रम में रामस्नेही चिकित्सालय को आउटस्टैंडिंग कंट्रीब्यूशन अवार्ड से नवाजा गया। रामस्नेही चिकित्सालय के चिकित्सा प्रभारी सतीश भदादा ने बताया कि अहमदाबाद में मेडीजेन्स हेल्थकेयर द्वारा आयोजित कॉन्क्लेव में देशभर से आए 150 से ज्यादा चिकित्सालयों ने भाग लिया। इसमें रामस्नेही चिकित्सालय के प्रतिनिधि के रूप में पुरुषोत्तम गगराणी एवं जतिन नायर ने भाग लिया। मेडीजेन्स हेल्थकेयर द्वारा रामस्नेही चिकित्सालय को डॉ. विक्रम पगारिया जॉइंट डायरेक्टर एनएचए द्वारा आउटस्टैंडिंग कंट्रीब्यूशन अवार्ड द्वारा नवाजा गया।

डॉक्टर्स डे पर चिकित्सकों का सम्मान

सूरत। हर साल 1 जुलाई को राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस मनाया जाता है। सिटीलाइट स्थित माहेश्वरी भवन के बोर्ड रूम में प्रतिनिधियों ने एक सम्मान समारोह आयोजित किया। सूरत जिला सभा के प्रचार मंत्री नारायण पेड़ीवाल ने बताया कि इसमें वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुंदरलाल सुराणा, डॉ. आईसी मूंधड़ा, डॉ. श्रीचंद बोथरा, डॉ. मनीषा झंवर, डॉ. विजय लाहोटी, डॉ. पुरूषोत्तम मूंधड़ा, डॉ. दिनेश भूतड़ा, डॉ. पीआर सुथार, डॉ. शशि मूंधड़ा, डॉ. कमला बोथरा, डॉ. रवींद्र चोपड़ा, डॉ. धनजय सुराणा, डॉ. नेहा डागा आदि का सम्मान किया गया। गुजरात प्रदेश माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष गजानंद राठी, माहेश्वरी भवन समिति के पूर्व अध्यक्ष रामरतन भूतड़ा, फोस्टा निदेशक जगदीश कोठारी, बृजलाल दूधाणी, रामकुमार मूंधड़ा, गौ सेवक राम नारायण चांडक, हनुमानमल बाहेती, भागीरथ भूतड़ा, जगदीश लाहोटी, नंदकिशोर बाहेती, इंद्रचंद तोषनीवाल, सुरेश चांडक आदि उपस्थित थे।

गौ सेवा के साथ शिक्षादान

इंदौर। निःशक्त और बूढ़ी गायों की देखभाल में किया गया कार्य सही मायनो में एक सच्ची सेवा है, उक्त विचार माहेश्वरी समाज संयोगितागंज के अध्यक्ष गोपाल लाहोटी ने अहिल्यामाता गौशाला पेडमी में समाजजनो को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। मंत्री पंकज काबरा ने बताया कि श्री माहेश्वरी समाज संयोगितागंज द्वारा महेश नवमी उत्सव 2024 के अंतर्गत 15, जून तक विभिन्न सामाजिक गतिविधियां, सेवा कार्य, परिचर्चा आदि कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। उसी श्रृंखला में संयोगितागंज क्षेत्र द्वारा अहिल्यामाता गौ शाला पेडमी में निवासरत निशक्त गायों के भूसा, चारे आदि की व्यवस्था के लिए समाजजन के सहयोग से एकत्रित रुपए 143000/- की राशि कोषाध्यक्ष रामजस जेथलिया द्वारा समाज के वरिष्ठ रामेश्वरलाल असावा के हस्ते गौशाला के प्रबंधक सुरेश गंगेल को सौंपी गयी। सहमंत्री सौरभ राठी ने बताया कि संयोगितागंज क्षेत्र द्वारा पिछले कई वर्षो से महेश नवमी के अवसर पर अहिल्यामाता गौ शाला में सेवा कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर कम्पेल माहेश्वरी समाज के युगलकिशोर राठी व माहेश्वरी समाज संयोगितागंज के उपाध्यक्ष संजय चंडक, बसंतीलाल सोमानी, जगदीश डागा, कैलाश बाहेती, ओम चांडक, रामवल्लभ भूतड़ा, गिरिराज बंग, गोविंद गिलडा, संजय बिड़ला, गोविंद लद्धड़, प्रवीण लद्धड़, महिला संगठन संयोगितागंज उपाध्यक्ष अर्चना लाहोटी, मंत्री अर्चना भूतड़ा, कोषाध्यक्ष राखी काबरा, सुधा गोरानी, सखी संगठन अध्यक्ष भावना लाहोटी, युवा संगठन अध्यक्ष भरत डागा, संयोजक विजय चांडक आदि उपस्थित थे। इस प्रकार महेश नवमी महोत्सव 2024 के सेवा कार्य के अंतर्गत माहेश्वरी समाज संयोगितागंज द्वारा महालक्ष्मी नगर, इंदौर स्थित संस्कार पाठशाला पर मोनिका मूंदड़ा द्वारा निःस्वार्थ भाव से गरीब बस्ती के बच्चो को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है। यहां पर बच्चों को पूरे वर्ष तक उपयोग के दृष्टिगत शिक्षण सामग्री भी वितरित की गई।

महेश नवमी कार्यक्रम का आयोजन

पुणे। सांगवी परिसर महेश मंडल की ओर से महेश नवमी उत्सव के पावन पर्व पर भगवान माहेश्वरी चौक में सभी समाजबंधुओं ने मिलकर भगवान महेश की आरती तथा पूजन किया। इस समय नगरसेविका शारदा ताई सोनावणे और नगरसेवक संतोष कांबले ने समाज को महेश नवमी की शुभकामना दी। प्रभातफेरी में भजन और नामस्मरण के साथ सुबह साई चौक से कृष्णा चौक से माहेश्वरी चौक तक भगवान महेश और हर-हर महादेव के जय घोष से प्रभात फेरी निकाली गयी। कार्यक्रम में सत्यनारायण बांगड, पंकज टावरी, मुकुंद तापडिया, निलेश अटल, गौरी नावंदर आदि ने सहयोग दिया।

मन के आगे न लगाओ नमन हो जाता है, यदि मन के पीछे न लगाओ तो मनन हो जाता है। जीवन में नमन और मनन करते रहेंगे, तो जीवन की समस्याएँ समाप्त हो जाएँगी।

महेश नवमी कार्यक्रम का आयोजन

अहमदाबाद। जिला माहेश्वरी सभा साबरमती क्षेत्र द्वारा माहेश्वरी समाज उत्पत्ति दिवस - महेश नवमी पर्व गत 15 जून को नीलकंठ महादेव मंदिर रानीप में मनाया गया। संगठन मंत्री देशबंधु मूंदड़ा ने बताया कि महेश नवमी संयोजक मनीष जाजू के संचालन में शोभायात्रा का आयोजन हुआ। अध्यक्ष दीनदयाल मालपानी, मंत्री अनिल कोठारी के साथ पदाधिकारियों, जिला एवं प्रदेश से आए अध्यक्ष, मंत्री एवं अन्य पदाधिकारियों ने जलाभिषेक किया। प्रातः भव्य शोभायात्रा में बड़ी संख्या में अलग-अलग प्रांत से अहमदाबाद आकर बसे माहेश्वरियों ने एकत्रित होकर एकता का परिचय दिया। सभी को जय महेश का दुपट्टा एवं सुंदर साफा पहनाकर ठंडाई वितरण के साथ उनका स्वागत किया गया। रोमांचक क्रिकेट प्रतियोगिता में हेमराज मालपानी की टीम सालासर बालाजी ने टूर्नामेंट जीता, विजेताओं एवं रनर अप टीम को ट्रॉफी का वितरण किया गया। साथ में ही महिलाओं एवं बच्चों के लिए अलग खेलकूद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। इसका संचालन अन्नु मेहता एवं स्वाति जाजू द्वारा किया गया। सभी ने साथ में स्वरुचि भोज किया।

महिला मंडल की बैठक सम्पन्न

बेरडी। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा वैभव चांडक के निवास पर बैठक का आयोजन किया गया। माहेश्वरी महिला मंडल की राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अनिता जावंधिया, प्रदेश अध्यक्ष रंजना बाहेती, प्रदेश सचिव राजश्री राठी, अखिल भारतीय सदस्य सुनिता झंवर, जिला अध्यक्ष मोना मालानी, जिला सचिव मंजरी गोयदानी, संभागीय अध्यक्ष मंगला लाखोटिया, संगीता राठी, सुचिता राठी, महिला मंडल बेरडी की अध्यक्ष अनिता चांडक द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। माहेश्वरी महिला मंडल बेरडी के सदस्यों द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों का भारतीय परंपरानुसार स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन मंजुला टावरी ने किया। आभार प्रदर्शन मंजू सुदा ने किया। कार्यक्रम में माहेश्वरी महिला मंडल की सभी सदस्याऐं उपस्थित रहीं।

कविता

डॉ. बरखा राठी
नागपुर महाराष्ट्र

'प्यारो देश'

'सब देसन में देश हमारो बलिहारी जाऊं रे,
प्यारो प्यारो लागे मोको मेरो अपनों देश रे।'

1- भगत सिंह, सुखदेव, शास्त्री जन्मे इसकी माटी में,
गुंजेगी कुर्बानियां शहीदों की ही देश में,
चहल पहल इनकी ही होगी
हो ओ..ओ.... चहल पहल इनकी ही होगी दुनिया के हर कोने में
प्यारो प्यारो लागे मोको मेरो अपनो देश रे।

2-रीत यहां की प्रीत सदा जो गैरों को अपनाती है,
मिलजुलकर है कैसे रहना धरती हमें सिखाती है,
अपनेपन की चाहत रहती
हो ओ ओ..... अपनेपन की चाहत रहती दुनिया के हर कोने में,
प्यारो प्यारो लागे मोको मेरे अपनों देश रे।

3-कटा दिए सर वीरों ने अपने देश की आन में,
ना हुआ गवांरा झुकना उनको देश की शान में,
कोटि कोटि प्रणाम करेंगे
हो ओ ओ .... कोटि कोटि प्रणाम करेंगे दुनिया के हर कोने में,
प्यारो प्यारो लागे मोको मेरो अपनों देश रे..
प्यारो प्यारो लागे मोको मेरो अपनो देश रे।

गट्टानी बने लेखक संघ प्रदेशाध्यक्ष

भोपाल। प्रदेश की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था मध्यप्रदेश लेखक संघ के चुनाव में माहेश्वरी समाज के सक्रिय सदस्य, समाजसेवी एवं वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र गट्टानी प्रांतीय अध्यक्ष चुने गए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले 40 वर्षों से माहेश्वरी समाज में सक्रिय श्री गट्टानी नगर सभा और जिला सभा में सचिव तथा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रह चुके हैं। वर्तमान में आप अ.भा.माहेश्वरी महासभा की इतिहास एवं साहित्य संकलन समिति के मनोनीत सदस्य भी हैं। देश भर की कई साहित्यिक और सामाजिक संस्थाओं से सम्मान के साथ ही साहित्य अकादमी संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश से पुरस्कृत हैं और मंच के प्रभावी व्यंग्य कवि हैं। उल्लेखनीय है कि श्री गट्टानी 'श्री माहेश्वरी टाइम्स' में 'खरी-खरी' कॉलम के नियमित लेखक भी हैं।

जनहित में लगाया वाटर कूलर

फरीदाबाद। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट सुगनचंद बिहानी व गिरधारीमल बिहानी के सौजन्य से स्वर्गीय श्रीमती कौशल्या देवी एवं स्वर्गीय श्रीमती दुर्गा देवी बिहानी की स्मृति में आउटसाइड पुलिस लाइन सेक्टर 30, फरीदाबाद में 150 लीटर का वाटरकुलर लगाया गया। इस कार्यक्रम में माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कमल आगीवाल (गुप्ता), माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के सचिव श्रवण मीमाणी, माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष रामकुमार राठी, माहेश्वरी मंडल के सचिव महेश गट्टानी, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉक्टर अरुण माहेश्वरी, गुलाब बिहानी, विपिन मल्ल, दवेश चांडक आदि उपस्थित थे।

लक्ष्मीनाथजी को लगाया छप्पन भोग

जैसलमेर। जेठा परिवार की ओर से आयोजित छप्पन भोग के अवसर पर लक्ष्मीनाथजी के मंदिर की आकर्षक सजावट की गई तथा दशहरा चौक में भी विशेष साज-सज्जा की गई। छप्पन भोग के अवसर पर लक्ष्मीनाथ जी के मंदिर का बेहतरीन गुलाब पुष्पों, हजारे के फूलों से विशेष श्रृंगार हुआ। जेठा परिवार के वरिष्ठ लूणकरण एवं धर्मपत्नी चंद्रकला ने आराध्य देव श्री लक्ष्मीनाथ जी की छप्पन भोग आरती की।

गुरु पूर्णिमा पर गुरु आशीर्वाद

भीलवाडा। श्री आनंद धाम पीठ वृंदावन के सदगुरु ऋतेश्वर महाराज का भीलवाड़ा में कोटा रिंग रोड स्थित ऑरिका रिसोर्ट में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विशेष पादपूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहाँ भक्तों ने हर्षोउल्लास के साथ आयोजन में भाग लेकर महाराज जी का आर्शीवाद लिया। इस दौरान आयोजनकर्ता लढा परिवार ने गुरुदेव ऋतेश्वर महाराज के चरण पंचामृत, केसर चंदन लगाकर धोए और चरण पादुका की पूजा की। भक्तो ने शाम को नौका विहार के दर्शन कर महाराज द्वारा ग्लोबल वार्मिंग एवं सनातन संस्कृति को समर्पित दिव्य प्रवचन का लाभ लिया। इस दौरान कैलाश लढा, अशोक मुन्द्रड़ा, मुकेश बहेडिया, गौतम कोगटा, त्रिलोक सोमाणी, कांतिलाल जैन आदि विशेष रूप से मौजूद थे।

निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर आयोजित

भीलवाडा। माडंल माहेश्वरी सेवा समिति द्वारा काशीपुरी वकील कालोनी माहेश्वरी भवन पर निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर आयोजित किया गया। समिति के संगठन मंत्री रमेश बिडला ने बताया कि शिविर का शुभारंभ भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष अशोक कुमार बाहेती, जिला उपाध्यक्ष रामकिशन सोनी, सेवा समिति के अध्यक्ष सुरेशचन्द्र बिडला, संरक्षक रमेशचन्द्र काबरा, रोशन लाल तोतला द्वारा किया गया। समिति अध्यक्ष सुरेशचन्द्र बिडला ने बताया कि शिविर में 42 नेत्र रोगियों की जाँच की गई थी, जिसमें चयनित 19 नेत्र रोगियों का निःशुल्क आपरेशन देवस्थली चिकित्सालय भीलवाड़ा पर किया जाएगा। शिविर में कमलेश जाजू, रमेश बिडला, विनोद गट्टाणी, गोविंद लढ़ा, अशोक कुमार बिडला, शरद बिडला आदि का विशेष सहयोग मिला। सचिव राजकुमार मून्दड़ा ने आभार व्यक्त किया।

पौधारोपण के साथ पुस्तक वितरण

नागदा। माहेश्वरी समाज के तत्वाधान में पौधारोपण एवं पाठ्य पुस्तको का वितरण किया गया। हताई स्थित कमला कृषि फार्म हाउस में आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी मुरलीधर राठी परिवार की ओर से ग्राम हतई एवं मकला के शासकीय स्कूलो में पाठय सामग्री वितरित की गई। साथ ही फार्म हाउस पर ही समाजजनो एंवं विधायक द्वारा पौधारोपण किया गया। इस मौके पर विधायक डॉ. तेजबहादुरसिंह चौहान, समाज के वरिष्ठ गोविन्दलाल मोहता, अध्यक्ष घनश्याम राठी, बंशीलाल राठी, मुरलीधर राठी, रमेश राठी, महेन्द्र बिसानी, अशोक बिसानी, राजेन्द्र मालपानी, आनन्दीलाल गगरानी आदि उपस्थित थे।

महेश सेवा फाउंडेशन द्वारा पौधारोपण

भीलवाडा। श्री महेश सेवा फाउंडेशन द्वारा राजकीय विद्यालय ज्योति नगर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। फाउंडेशन अध्यक्ष दिनेश काबरा ने बताया कि इसमें अशोक, नीम, बरगद, पीपल, गुलमोहर, जंगल जलेबी, आंवला आदि के 11 पौधे लगाकर एक पेड़ मां के नाम अभियान को आगे बढ़ाते हुए आह्वान किया गया तथा उपस्थित सभी सदस्यों को पौधों के संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम संरक्षक बीएल माहेश्वरी, केजी जाखेटिया, राधेश्याम तोषनीवाल, कैलाश आगाल सहित ब्रजमोहन सोमानी, लोकेश आगाल, मुकेश सामरिया आदि उपस्थित थे।

स्कूल में बनवाया विज्ञान कक्ष

जैसलमेर। राजकीय सागरमल गोपा सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में दशकों पूर्व स्व. श्री जीवनलाल कोठारी द्वारा विज्ञान कक्ष बनवाया गया। उसी विज्ञान कक्ष में 1969 में शिक्षा पूर्ण कर देश के कोने कोने में व्यवसाय करने वाले गोल्डन 69 ग्रुप के छात्रो द्वारा एक नये विज्ञान कक्ष का लोकार्पण करवाया गया। लोकार्पण आयोजन के मुख्यअतिथि निर्वर्तमान आईएएस अधिकारी श्यामसुन्दर बिस्सा, अतिथि डॉ. बी एल शर्मा, नगरपरिषद सभापति हरिवल्लभ कल्ला, माहेश्वरी समाज अध्यक्ष जगदीश बिसानी आदि थे। आयोजन में विद्यालय के निवर्तमान शिक्षक रमनलाल, हीरालाल चांडक, राधेश्याम चांडक, नंदकिशोर केला, मदनलाल जिनगर, चंद्रप्रकाश बल्लानी, मदनलाल चांडक सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

महाधिवक्ता लड्ढा का सम्मान

जयपुर। राजस्थान सरकार के महाधिवक्ता राजेन्द्रप्रसाद लड्ढा तथा उनकी धर्मपत्नी का उनके जयपुर स्थित आवास पर पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष जुगलकिशोर सोमाणी व महासभा कार्यसमिति सदस्य कैलाश सोनी ने शॉल व दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। सोमाणी कुलदेवी बधरमाता जी ट्रस्ट के प्रमुख सदस्य पूरण मरदा भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि राजस्थान के राज्यपाल श्री कलराज मिश्रा ने माहेश्वरी समाज से प्रथम बार राजस्थान में श्री लड्ढा को महाधिवक्ता की शपथ दिलवाई है।

'भारत के रंग' का आयोजन

हैदराबाद-सिकंदराबाद। मारवाड़ी महिला संगठन द्वारा हरी सत्संग समिति तेलंगाना के सहायतार्थ 23 जून को भारतीय विद्या भवन, किंग कोठी, हैदराबाद के प्रागंण में 'भारत के रंग एकल के संग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एकल सुर ताल के अन्तर्गत करुणा ठाकुर के नेतृत्व में भारतवर्ष के छोटे-छोटे वनवासी युवा कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगठन की अध्यक्ष कलावती जाजू ने बताया कि पुल्ला रेड्डी एजुकेशनल इंस्टिट्यूट के चेयरमैन पी. सुब्बाराव रेड्डी ने कार्यक्रम का उदघाट्न किया। शांताबाई लोहिया, श्याम सुंदर बाहेती, अनीता सोनी, श्रुति मालपानी, गोपाल बल्दवा, रमाकांत गिल्डा, दीपा गिल्डा, गौ रक्षा अध्यक्ष जसवंत भाई, अनीता सोनी महेश बैंक डायरेक्टर, केदारनाथ अग्रवाल आदि कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

प्रशंसा में पिघलना मत, क्रोध में जलना मत, अपनी बुराई में उबलना मत और किसी के मीठे शब्दों में फिसलना मत।

बिरला को भेंट की माहेश्वरी टाईम्स प्रति

इंदौर। श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रबुद्ध पाठक इंदौर निवासी अभिषेक माहेश्वरी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से नईदिल्ली स्थित उनके आवास पर भेंट कर नवनिर्वाचन पर बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने श्री बिरला को श्री माहेश्वरी टाईम्स के महेश नवमी विशेषांक की प्रति भी भेंट की।

अनन्या का हुआ सम्मान

उज्जैन। श्री महेश नवमी महोत्सव 24 के प्रतिभा सम्मान समारोह में सुश्री अनन्या माहेश्वरी का मेडिकल क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हेतु सम्मान किया गया। अनन्या ने एमबीबीएस की परीक्षा में सफलता अर्जित की है। उल्लेखनीय है कि अनन्या वरिष्ठ समाजसेवी नृसिंह देवपुरा की पौत्री एवं आलोक-संध्या की सुपुत्री है।

बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल, भीलवाड़ा का 30वां मासिक बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम गत 07 जुलाई को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का माहेश्वरी समाज संपत्ति ट्रस्ट भवन, नागोरी गार्डन, भीलवाड़ा में रमेश राठी मंत्री भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा, सम्पत माहेश्वरी, श्रवण समदानी, सुनील मूंदड़ा आदि ने शुभारंभ किया। श्रवण समदानी ने बताया कि भीलवाड़ा मुख्यालय के साथ चित्तौड़, उदयपुर, मनासा में भी शाखाएं सेवारत है जिसमें सभी बायोडाटा भीलवाड़ा मुख्यालय की तर्ज पर ही उपलब्ध हैं, जहां प्रत्येक रविवार को यह सेवाएं उपलब्ध रहती है। ओमप्रकाश सोमानी ने बताया कि अब तक 1608 संबंध हो चुके हैं। मुख्य संयोजक सुनील मूंदड़ा, श्रवण समदानी, सम्पत माहेश्वरी ने सबका आभार व्यक्त किया।

माहेश्वरी बने चेम्बर संगठन मंत्री

इंदौर। अहिल्या चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स के चुनाव में प्रेम माहेश्वरी को चैम्बर का 'संगठन मंत्री' नियुक्त किया गया। श्री माहेश्वरी स्टोन एण्ड टाइल्स विक्रेता संघ के अध्यक्ष व इंदौर थोक टाइल्स व्यापारी एसोसिएशन के सचिव भी हैं।

व्यंजन कार्यशाला का आयोजन

नागपुर। त्रिनयन माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा खानपान की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए व आने वाले त्यौहार में उपवास के लिए सलाद व फलाहारी व्यंजन की कार्यशाला नागपुर की विविध कुकिंग क्लासेस की संचालिका शेफ़ पूनम राठी द्वारा ली गयी। अध्यक्षा रेखा राठी द्वारा आयी हुई 30 से अधिक सदस्याओं का स्वागत किया गया। पूनम ने इसके साथ ही सभी को रोज़मर्रा में काम आने वाले किचन टिप्स भी दिये। निरंजना गांधी ने पूरा सहयोग दिया। प्रभारी शारदा चांडक व मीनाक्षी सारडा ने बहुत ही नियोजित तरीक़े से कार्यभार सँभाला। सभी के लिए चाय नाश्ते की भी व्यवस्था संगठन द्वारा की गई थी। सचिव कविता भांगड़े द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

महाआरती को एक वर्ष पूर्ण

अमरावती। समूचे विदर्भ में सर्वप्रथम अमरावती शहर में धनराज लेन स्थित राधाकृष्ण मंदिर में हर महीने की दोनों एकादशी को महाआरती का आयोजन राधा कृष्ण सेवा समिति द्वारा किया जा रहा है। आषाढी एकादशी से शुरू इस आयोजन को एक साल पूर्ण होने पर मंदिर की विशेष सजावट की गयी। समिति द्वारा इस विशेष मौके पर पूरे साल खास एकादशी के दिन अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें दीपदान उत्सव में श्रीजी के चरणों में 11,000 तुलसी दल अर्पण किये गये। बैकुठ में 11,0 एकादशी को पालखी निकाली गई। सात पवित्र नदियों के जल से जलाभिषेक किया गया। दुग्धाभिषेक, सुत्री अलकाश्री द्वारा सुंदरकांड के पाठ का आयोजन, धू धूलिवंदन के दिन 'एक शाम सांवरिया के संग' भजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंदिर के 23 साल पूर्ण होने पर पाट उत्सव के दिन पालखी और सुश्री रामप्रियाजी का आगमन, महेश नवमी के अवसर पर ताजे फूलों से मंदिर की सजावट की गई।

नगर भ्रमण पर निकले जगन्नाथ

नागदा। इस्कॉन उज्जैन नागदा और शहर वासियों के सहयोग से नागदा मे पहली बार भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा नगर के मुख्य मार्गो से निकली। इस भव्य रथ यात्रा का स्वागत माहेश्वरी समाज नागदा के अध्यक्ष घनश्याम राठी के नेतृत्व में महात्मा गाँधी मार्ग पर किया गया। पूर्व अध्यक्ष सतीश बजाज ने बताया कि इसमें बंसीलाल राठी, आनंदीलाल गगरानी, मनोज राठी, झम्मक राठी, संजय गगरानी, प्रशांत राठी, गिरिराज मालपानी, नरेंद्र राठी, विनोद नवाल, राजकुमार मोहता, प्रतीक गगरानी, सौरभ मोहता, प्रकाश मालपानी आदि उपस्थित थे।

महेश अन्नसेवा का आयोजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा सत्र 2022-25 में आरंभ की गई "महेश अन्न सेवा" का आयोजन वर्षपर्यन्त किया जा रहा है। इसी क्रम में समाज के भामाशाह स्व. श्री सावर मल एवं स्व. श्री विनोद शारदा की पुण्य स्मृति में अंकित शारदा के सहयोग से जरूरतमंद बन्धुओं को गत 16 जुलाई को जे.के. लॉन हॉस्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर भोजन प्रसादी एवं मिठाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर गीता देवी, संतोष, दीपिका, अंकित, संदीप, मनोज शारदा एवं परशुराम बागडी एवं शारदा परिवार सहित समाज के गणमान्य व प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान

बूंदी। सामर्थ्य सोसायटी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वाणी विशेष विद्यालय में पौधे लगाए गए। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि यह मां भगवान का दिया हुआ सबसे बड़ा आशीर्वाद है। सोसायटी सदस्य नम्रता शुक्ला, हेमा सोनी, शालिनी सोनी, नेहा जोशी आदि उपस्थित रहीं।

प्रधानाचार्य सम्मान एवं छात्रवृत्ति वितरण

जोधपुर। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर स्वास्थ्य साधना केंद्र, चौपासनी रोड, जोधपुर में 'नंदकिशोर राठी मेडिकल एंड एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट' द्वारा 'प्रधानाचार्य सम्मान एवं छात्रवृत्ति वितरण समारोह 2024' का आयोजन सफलता पूर्वक हुआ। समारोह की अध्यक्षता आनंद राठी (संस्थापक-आनंद राठी ग्रुप) ने की। अतिथि के रूप में डॉ. महेंद्र कुमार आसेरी (कुलपति - मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी, जोधपुर) एवं प्रदीप कुमार प्रजापति (कुलपति-डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेदिक यूनिवर्सिटी, जोधपुर) उपस्थित थे। समारोह में जोधपुर शहर के 77 सरकारी एवं चयनित प्राइवेट विद्यालयों के बारहवीं 2024 के 121 टॉपर्स को प्रति विद्यार्थी 11,000/- रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई एवं सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों का सम्मान किया गया। श्री राठी ने बताया कि यह कार्यक्रम उनके पिताजी नंदकिशोर राठी एवं माता गोदावरी देवी राठी के सम्मान में पिछले 2 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। सुरेश राठी (संस्थापक-सुरेश राठी ग्रुप) ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। सौरभ राठी ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया।

मध्यांचल आयोजित करेगा अभिप्रेरणा

उज्जैन। "अभिप्रेरणा - 2024" मध्यांचल अधिवेशन आगामी 28-29 अगस्त को पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा महाकाल नगरी उज्जैन के झालरिया मठ, नृसिंह घाट में आयोजित किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष उषा सोड़ानी ने बताया कि कार्यक्रम में विशेष रूप से अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष मंजू बांगड़, महामंत्री ज्योति राठी, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किरण लड्ढा, संगठन मंत्री ममता मोदानी, कार्यालय मंत्री प्रीति तोष्णीवाल आदि अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंदड़ा, विमला साबू एवं सुशीला काबरा की उपस्थिति विशेष रूप से रहेगी। इस अवसर पर प्रदेश एवं मालवा की पहचान यहां की प्रसिद्ध एवं उपयोगी सामग्रियों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। प्रदेश सचिव शोभा माहेश्वरी ने बताया कि मुख्य अतिथि सी.ए. जयंत गुप्ता व स्वागत अध्यक्ष सी.ए. मधु भूतड़ा व स्वागत मंत्री साधना बियानी रहेंगी। समागम में पांचो प्रदेश की 400 से 450 सदस्याऐं सम्मिलित होंगी। मध्यांचल उपाध्यक्ष उर्मिला कलंत्री एवं संयुक्त मंत्री अनीता जावंधिया, आयोजक संस्था पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष रमा शारदा, अनुपमा बाहेती, निर्मला बाहेती, अरुणा बाहेती, वीणा सोमानी आदि के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न होगा। परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास एवं उत्थान हेतु विभिन्न समितियों द्वारा विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं से सभा को आकर्षित करने का प्रयास होगा। इस आयोजन में विशेष रूप से अष्ट सिद्धा समिति प्रभारी द्वारा अनुठा आयोजन आपकी अदालत समिति प्रभारी नम्रता बियानी लेकर आ रही हैं। संपादक मंडल प्रमुख ललिता मालपानी के निर्देशन में सभी कार्य सुचारू रूप से संचालित होंगे। श्री महाकालेश्वर दर्शन का पुण्यलाभ सभी सदस्याओं को अवश्य ही प्राप्त हो इसका विशेष ध्यान रखा जायेगा। शोभा यात्रा एवं नंदोत्सव भी आयोजित किया गया है। आथिरकर्ता उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सीमा मालपानी एवं सचिव मनीषा राठी ने कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु समितियां गठित कर उनके संयोजकों को कार्य अनुरूप व्यवस्थाओं की ज़िम्मेदारियाँ सौंपी गई।

रचना

करना तो है सम्बन्ध

लड़की हमारी करती नौकरी
अच्छा सा पैकेज है,
उसको पसंद आ जाए
बस ऐसा लड़का मिल जाए ।

लड़का करता क्या है ?
पैकेज बड़ा हो,
परिवार छोटा हो
खुद का शहर में फ्लैट हो,
फेमेली में सब सेट हो ।

लड़की को हमारी,
लड़का पसंद आ जाए
तो समझो काम हो जाए।

आजकल के ब्याव में,
इन सबका बड़ा चाव
प्रिवेडिंग,हल्दी-मेहंदी
डांस डीजे और पुल पार्टी

ब्यूटी पार्लर और ड्रेस-अप मैचिंग
कैमरा और दूल्हा-दुल्हन
एंट्री की सेटिंग।

मुहर्त से कुछ काम नही होता
फोटो शेसन होता घंटो में
रस्में होती मिनटों में ।

पिता ने उम्र भर जो पूँजी जुटाई
शादी के तामझाम में गँवाई
बसाया घर, सजाया अरमानो से
निभ जाए निभा ले
आस इतनी ही थी।

पर चकाचौंध के रिश्ते टिक न पाए
बातें ऐसी भी न थी कि सुलझ न पाए
पर कौन समझे और समझाए ।

गलतियों को जब अपने ही बढ़ावा दे
जब अपने ही अपनो की गलती छिपाए
और रिश्ते टूटने में अपनी भूमिका निभाए।।

संगीता अजय दरक माहेश्वरी
मनासा जिला नीमच (म.प्र.)

ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग शिविर सम्पन्न

सूरत। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा संजीवन सिद्धा समिति के अंतर्गत ट्यूलिप हॉस्पिटल में डॉक्टर डिम्पल चेतवानी के सान्निध्य में ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग शिविर रखा गया। इसका 60 महिलाओं ने लाभ लिया। कैम्प के दौरान जिला अध्यक्ष बीना तोषनीवाल, कोषाध्यक्ष वंदना भंडारी, समिति सह संयोजिका पदमा शारदा आदि की उपस्थिति रही।

पुण्य स्मृति में गुणगौरव समारोह

अमरावती। स्व. श्री नारायणदास जी भट्टड़ की पावन स्मृति में श्री महेश सेवा समिति ने कक्षा 10 और 12 के प्रावीण्य प्राप्त छात्रों का गुणगौरव समारोह आयोजित किया गया। समारोह के प्रमुख अतिथि महेश गट्टाणी, सीए श्याम राठी संचालक आर सी एफ तथा बियानी साइंस कॉलेज के उप प्राचार्य सीताराम राठी थे। समिति के अध्यक्ष आर बी अटल, उपाध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण कासट, सचिव प्रवीण कुमार चांडक, सह सचिव डॉ. आर बी सिकची, कोषाध्यक्ष अजय राठी आदि अतिथियों के साथ मंचासीन थे। सरस्वती पूजन व दीप प्रज्जवलन पश्चात 65 मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर अभिनंदित किया गया।

जरूरतमंदों को भोजन वितरण

कोलकाता। 15 जून 2024 को महेश नवमी के उपलक्ष्य पर दक्षिण कोलकाता युवा माहेश्वरी संगठन ने कोलकाता में आशुतोष कॉलेज, हाजरा के निकट कार्यक्रम 'अन्नपूर्णा' का आयोजन किया। इसमें 200 से अधिक जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। इसमें अखिल भारतीय युवा माहेश्वरी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद सोनी उपस्थिति रहे। इनके साथ वृहतर कलकता प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन से राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य अश्विनी लाखोटिया, मंत्री मुकुंद सोमाणी, कोषाध्यक्ष अनुराग जाजू, मध्य कलकत्ता से अंकित तापड़िया, दक्षिण माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राजेश नागौरी, मंत्री मुरली मनोहर मानधणा आदि का सहयोग रहा। दक्षिण माहेश्वरी युवा की टीम ने अध्यक्ष राम किशोर मानधणा व मंत्री देवेश नागौरी के नेतृत्व में योगदान दिया।

काबरा को अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

मुंबई। अजमेर (राजस्थान) के मूल से निकले मुंबई निवासी सीए अर्पित जगदीश काबरा को फॉरेंसिक अंकेक्षण में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन्हें ब्रिटिश संसद में प्रदान किया गया, जो उनके कार्य की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि अर्पित ने कम उम्र में ही वेस्टर्न इंडिया रीजनल काउंसिल (WIRC) ऑफ ICAI के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला। महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए उनके प्रयास और WIRC में शुरू किए गए प्रोजेक्ट्स ने उन्हें इस सम्मान के योग्य बनाया है।

इस्कॉन रथयात्रा का किया स्वागत

ग्वालियर। वृहत्तर ग्वालियर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 13 जुलाई को इस्कॉन भगवान जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा का स्वागत, पूजन, आरती श्रीबालाजी मंदिर डीडवाना ओली पर किया गया और प्रसाद वितरण किया गया। इस यात्रा में इस्कॉन के वरिष्ठजन सहित समिति अध्यक्षा ऐश्वर्या गोदानी, सचिव रिद्धि परवाल, आरती परवाल, रिचा माहेश्वरी सहित समाज की 20 महिलाएं शामिल हुईं।

राधिका को ऐक्च्युरी उपाधि

कोलकाता। राधिका एक्च्युरियस इंस्टिट्यूट के सभी पेपर उत्तीर्ण कर देश के गिने चुने प्रोफ्रेशनल्स में शामिल हो गई है। भारत में सिर्फ 650 के आसपास ऐक्च्युरी है और राधिका अब उनमे से एक हैं। सीए कृष्ण मुरारी व राजश्री तापड़िया की पुत्रवधु राधिका ने शादी के बाद भी पारिवारिक एवं प्रोफेशनल जिम्मेदारियों को निभाते हुये यह मुकाम हासिल किया। जोरहाट जैसे एक कस्बे से अपनी प्रारम्भिक पढ़ाई कर, अपनी मेहनत से दिल्ली यूनिवर्सिटी से स्नातक राधिका ने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ ऐक्च्युरीज द्वारा संचालित पाठ्यक्रम को अपनाया और आज ऐक्च्युरी बन गई हैं।

रुद्राभिषेक का किया आयोजन

रायपुर। माहेश्वरी महिला समिति गोपाल मंदिर द्वारा गत 23 जुलाई को श्रावण मास के अवसर पर रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। प्रातः 11:00 से शिवजी का 11 किलो दूध से दुग्ध रुद्राभिषेक किया गया। इसमें राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी, प्रदेश कोषाध्यक्ष नन्दा भट्टर, अध्यक्ष प्रगति कोठारी, सचिव कल्पना राठी, मधुलिका के नत्थानी, सुनीता लड्ढा, संगीता चांडक, शशि मोहता, शशि सारडा, शशि बंग, ज्योति सारडा, नीलिमा लड्ढा आदि सम्मिलित हुए।

नितिन बने बैंक पीओ

लेसवा (भीलवाड़ा)। श्रीमति कमलाबाई धर्म पत्नी स्व. श्री घीसूलाल सोमानी के सुपौत्र एवं ललिता-राजेश सोमानी (प्रमुख माहेश्वरी युवा संगठन लेसवा) के सुपुत्र नितिन सोमानी की बैंक ऑफ बड़ौदा वर्धा (महाराष्ट्र) में प्रोबेशनरी ऑफिसर की नियुक्ति हुई है। माहेश्वरी युवा संगठन लेसवा सहित स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

संस्था 'आनंद गोष्ठी' द्वारा पौधारोपण

इंदौर। संस्था 'आनंद गोष्ठी' के संयोजक लव मालू ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर इंदौर को ग्रीन सिटी बनाने के लिए पौधारोपण का अभियान सतत जारी है। इसी अभियान में सहभागिता के तहत संस्था 'आनंद गोष्ठी' द्वारा भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व. श्री गोविन्द मालू की स्मृति में इंदौर के ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी स्थित उद्यान में गत दिनों पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष ऊष्मा मालू द्वारा रौपे गए पौधों को सहेजने का संकल्प भी दिलवाया गया। कार्यक्रम में जगमोहन वर्मा, देवकीनंदन तिवारी, आदर्श सचान, दिनेश गोयल, अंशुल पंडित, विपुल गोयल, वासुदेव मालू सहित संस्था के कई पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

शुभकामनाओं सहित...

हैदराबाद-सिकन्दराबाद मारवाड़ी महिला संगठन

कलावती जाजू
अध्यक्षा

मंजू लाहोटी
मंत्राणी

हेमलता शर्मा
संगठन मंत्राणी

प्रेमलता कांकाणी
कोषाध्यक्षा

शकुन्तला राठी
निर्वतमान अध्यक्षा

समस्त पदाधिकारी एवं सदस्याएँ

मूंदड़ा दम्पत्ति ने मनाई विवाह की 50वीं वर्षगांठ

उज्जैन। वरिष्ठ समाजसेवी व व्यवसायी दम्पत्ति सुरेश-शोभा मूंदड़ा ने गत दिनों अपने विवाह की 50वीं वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर परिवारजन सहित समस्त स्नेहीजनों ने उपस्थित रहकर उन्हें शुभकामना दी। शोभा मूंदड़ा का जन्म 6 नवंबर 19 55 में इंदौर में राजमल मंत्री के घर हुआ। बीए तक शिक्षा ग्रहण कर सुरेश कुमार मूंदड़ा के साथ 50 वर्ष पहले विवाह हुआ। परिवार मे दो बेटे मयूर और मधुर हैं। मयूर काका इंटरनेशनल नलखेड़ा में और वंडर किड्स स्कूल उज्जैन में संचालित करते हैं। मधुर निकास चौराहे पर मधुर बेकरी एंड रेस्टोरेंट का संचालन कर रहे हैं। दो बहुएं किरण एवं छाया एवं तीन पोते पोतियो के साथ जीवन की बगिया महक रही है। श्रीमती मूंदड़ा महिला संगठन में करीबन 30 वर्षों से सेवा दे रही हैं। अखिल भारतीय महिला संगठन में दो

बार सदस्य रह चुकी और उज्जैन जिला महिला संगठन में कोषाध्यक्ष पद पर रहकर कार्य किया है। महिला मंडल में अध्यक्ष पद पर रहकर पांच जोड़ों का सामूहिक विवाह सुचारू रूप से करवाया जिसकी सराहना अखिल भारतीय समाज में भी की गई।

माहेश्वरी हॉस्पिटल को मिला उत्कृष्ट स्वच्छता सम्मान

जैसलमेर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन की कड़ी में नगरपरिषद द्वारा माहेश्वरी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर को मई 24 में स्वच्छता में उत्कृष्ट भूमिका निभाने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। माहेश्वरी हॉस्पिटल के प्रशासक डा. वी. डी. जेठा ने बताया कि माहेश्वरी अस्पताल और अनुसंधान केंद्र ट्रस्ट, जैसलमेर की स्थापना 11 दिसंबर, 1995 को हुई है । शुरू में यह 20 बिस्तरों वाला अस्पताल था, लेकिन अब यह 120 बिस्तरों वाला अस्पताल बन गया है।

माधव एक्च्यूरिज में सफल

वाराणसी। समाज सदस्य माधव सोमानी सुपुत्र राजीव सोमानी, नाटीइमली ने Institute of Actuaries of India mes Actuarial Science के सभी 13 पेपर प्रथम प्रयास में क्लीयर कर एक गरियामयी उपलब्धि प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि यह देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षा में से एक है।

स्वच्छ पर्यावरण के लिये किया पौधारोपण

कोलकाता। तापड़िया विकास परिषद् द्वारा सामाजिक व स्वच्छ पर्यावरण के दायित्व का निर्वहन करते हुए गत 14 जुलाई को हावड़ा के रानीहाटी फाउंड्री पार्क मे लगभग 300 नीम व अशोक वृक्षों का पौधारोपण किया गया। सर्वप्रथम संस्था के संरक्षक भीकमचंद व अध्यक्ष सतीशजी के सान्निध्य में उनके कर कमलो द्वारा पौधों को रोपित किया गया। तत्पश्चात संस्था के उपस्थित सदस्य कृष्ण मुरारी, देवकिशन, जयप्रकाश, नरेंद्र, अरविंद, नवीन, मनोज, रमेश, सुशील, अभिषेक मधु, जया, सोहनी, सुलोचना ने अशोक, नीम आदि पौधों को रोपित किये। फाउंड्री एसोसिएसन के सदस्यों का भी पूर्ण सहयोग रहा तथा भविष्य मे इन पेड़ों की देख रेख करने का भी आश्वासन दिया।

CYBER SECURITY
Net Protector
NP AV
Total Security
Ransom ware Shield
PC, Laptop Tablet, Mobile
सुरक्षा
80.550.67.012
92.72.70.70.50
Z SECURITY

मोनालिसा को 661 अंक

भीलवाड़ा (राज.)। ग्राम पोटलान तहसील सहारा निवासी प्रवीण कुमार व निर्मला मूंदड़ा की सुपुत्री मोनालिसा ने नीट यूजी परीक्षा 661 अंक तथा 20441 रैंक के साथ उत्तीर्ण की।

लेखराज को 94.6%

सोलापुर। समाज सदस्य सागर व ज्योति डागा के सुपुत्र लेखराज ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 94.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

हर्षित को 94.4%

जोधपुर। समाज सदस्य अशोक - सुनीता केला के सुपुत्र हर्षित केला ने सीबीएसई की एसएससी परीक्षा 94.4% अंकों से उत्तीर्ण की। इसमें 4 विषयों में ए-वन ग्रेड के साथ उत्तीर्ण की।

अभिनव को 90.4%

जोधपुर। समाज सदस्य जितेंद्र-रेखा भूतड़ा के सुपुत्र अभिनव भूतड़ा ने राजस्थान बोर्ड कॉमर्स से सीनियर सेकेण्डरी परीक्षा 90.40% अंकों से उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने तीन विषयों मे विशेष योग्यता प्राप्त की।

जसराज को 97%

जोधपुर (राज.)। समाज सदस्य पुसाराम व निधि मूंदड़ा के सुपुत्र जसराज ने राजस्थान राज्य बोर्ड 12वीं की परीक्षा 97% अंकों से उत्तीर्ण की।

सुहानी को 96%

भीलवाड़ा। गंगापुर निवासी अंकुर व सुनीता मंडोवरा की सुपुत्री सुहानी ने कक्षा 12वीं की परीक्षा 96% अंकों से उत्तीर्ण की।

प्रियल को 92.2%

अजमेर (राज.)। पंकज व सुनीता माहेश्वरी की सुपुत्री प्रियल ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 92.2% अंकों से उत्तीर्ण की।

त्रिशा को 93%

इंदौर (म.प्र.)। मनोज काबरा व श्वेत काबरा की सुपुत्री त्रिशा काबरा ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 92% अंकों से उत्तीर्ण की।

वृंदा को 91.8%

अलीगढ़ (उ.प्र.)। रोहित व रेणु माहेश्वरी की सुपुत्री वृंदा माहेश्वरी ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 91.8% अंकों से उत्तीर्ण की।

आयुष को 96.2%

नागपुर (महा.)। समाज सदस्य सुशील व बरखा राठी के सुपुत्र आयुष को 96.2% अंक सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में प्राप्त हुए।

युवराज को 93.6%

जोधपुर (राज.)। समाज सदस्य नवीन-रितु डागा के सुपुत्र युवराज ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 93.6% अंकों से उत्तीर्ण की।

अक्षत को 91% अंक

वड़ोदरा। समाज सदस्य संजय व अल्पा डाड के सुपुत्र अक्षत डाड ने कक्षा 10वीं की परीक्षा 91% अंकों से उत्तीर्ण की।

जागृत को 95.4%

सूरत (गुजरात)। दामोदर-मधु राठी के सुपुत्र जागृत ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 95.4% अंकों से उत्तीर्ण की।

प्रियांशी को 95.4%

जोधपुर। समाज सदस्य मनीष-ममता मंत्री की सुपुत्री प्रियांशी ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 95.4% अंकों से उत्तीर्ण की।

खुशी को 91.83%

आगरा। समाज सदस्य विकास व बीना माहेश्वरी की सुपुत्री खुशी ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 91.83% अंकों से उत्तीर्ण की।

आराध्य को 96.8%

छिंदवाड़ा (म.प्र.)। समाज सदस्य मनीष माहेश्वरी के सुपुत्र आराध्य ने सीबीएसई की परीक्षा 96.8% अंकों से उत्तीर्ण की।

तरंग को 95%

पुणे (महा.)। समाज सदस्य ललित व कथा माहेश्वरी के सुपुत्र तरंग ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 95% अंकों से उत्तीर्ण की।

गीत को ए वन ग्रेड

महू (म.प्र.)। विशाल व दीपिका काबरा की सुपुत्री गीत ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा सभी विषयों में ए-वन ग्रेड व 96.4% अंकों से उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर सांसद शंकर लालवानी ने गीत को सम्मानित भी किया।

आशी को ए वन ग्रेड

धार (म.प्र.)। बाग निवासी दिनेश व मंजू डांगरा की सुपुत्री आशी ने सीबीएसई की एसएससी परीक्षा ए-वन ग्रेड के साथ उत्तीर्ण की।

रीधिमा को ए ग्रेड

धार (म.प्र.)। बाग निवासी आशीष व अनिता राठी की सुपुत्री रिधिमा ने सीबीएसई की एसएससी परीक्षा ए ग्रेड के साथ उत्तीर्ण की।

भव्य को ए-वन ग्रेड

अहमदाबाद (गुज.)। समाज सदस्य राजेश व रेखा राठी के सुपुत्र भव्य ने सीबीएसई की एसएससी परीक्षा सभी विषयों में ए-वन ग्रेड के साथ उत्तीर्ण की।

अवनि को ए-वन ग्रेड

आगरा (उ.प्र.)। समाज सदस्य राम चांडक व मोनिका माहेश्वरी की सुपुत्री अवनि ने सीबीएसई कक्षा 10वीं की परीक्षा ए-वन ग्रेड के साथ उत्तीर्ण की।

वेदांश को ए-वन ग्रेड

जोधपुर। सीबीएसई की एसएससी परीक्षा में समाज सदस्य निलेश व नीलू पनपालिया के सुपुत्र वेदांश ने ए-वन ग्रेड प्राप्त की।

देवांश को ए-वन ग्रेड

आगरा (उ.प्र.)। नीरज व सविता माहेश्वरी के सुपुत्र देवांश ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा ए-वन ग्रेड तथा कम्प्यूटर एप्लीकेशन में शत-प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

श्रियल को ए-वन ग्रेड

जयपुर (राज.)। श्रीधर व मीनाक्षी बियाणी की सुपुत्री श्रियल बियानी ने सीबीएसई की सेकेण्डरी परीक्षा ए-वन ग्रेड में उत्तीर्ण की। इसमें एआई में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

गुंजन बनी सीए

रतलाम (म.प्र.)। समाज सदस्य जितेंद्र व सीमा काबरा की सुपुत्री गुंजन ने सीए के दोनों ग्रुप की परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

तुषार बने सीए

जैसलमेर। तुषार सुपुत्र ओमप्रकाश व प्रेमलता केला ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

ऋषिका बनी सीए

पिपरिया (म.प्र.)। जिला माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री मन्नूलाल-सुशीला देवी साँवल बनखेड़ी की पोती व नर्मदा पुरम जिला सभा के सक्रिय सदस्य हरीश-ब्रजलता साँवल की सुपुत्री ऋषिका ने प्रथम प्रयास में सीए फ़ाइनल के दोनों ग्रुप उत्तीर्ण किये। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

शिविन बने सीए

उदयपुर। श्रीमति स्वप्नलिका अजमेरा एवं स्व.ललित अजमेरा (उदयपुर राजस्थान) के पुत्र शिविन अजमेरा सी ए फाईनल की परीक्षा में उत्तीर्ण होकर चार्टर्ड अकाउंटेंड बने। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

नंदीश बने सीए

उदयपुर। महेश माहेश्वरी महिला सोसाइटी उदयपुर की अध्यक्षा नीलम पेडीवाल एवं समाज सदस्य अनुज पेडीवाल के सुपुत्र नंदीश पेडीवाल ने सीए 2024 की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की।

सी.ए. में शुभम को 47वीं रैंक

बालोतरा। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया (ICAI) ने सी ए फाइनल का परीक्षा परिणाम घोषित किया। इसमें शुभम मानधना ने बालोतरा-बाड़मेर जिले में अव्वल स्थान प्राप्त किया। सीए इंटर में उन्होंने ऑल इंडिया 47 वीं रैंक हासिल की थी।

देवाधिदेव महादेव को प्रिय सावन (श्रावण) मास सोमवार, 22 जुलाई, 2024 से प्रारम्भ होकर 19 अगस्त तक रहेगा। इस मास में आशुतोष भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व है। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार श्रावण में ही समुद्र मंथन से निकला विष भगवान शंकर ने पीकर सृष्टि की रक्षा की थी इसलिए इस मास में शिव आराधना करने से भोलेनाथ की कृपा प्राप्त होती है।

डॉ. महेश शर्मा
जयपुर
7014484385

शिव को प्रसन्न करने का पर्व श्रावण मास

हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण वर्ष का पांचवा महिना होता है। पूर्णिमा के दिन श्रवण नक्षत्र होने के कारण यह श्रावण या सावन का महिना कहलाता है। श्रवण नक्षत्र का स्वामी चन्द्रमा है। इस मास में सूर्य संक्रांति कर्क राशि में होती है। कर्क का स्वामी भी चंद्रमा है, चंद्रमा के स्वामित्व वाला सोमवार भगवान शंकर को अत्यन्त प्रिय दिन है। अतः सोमवार को शिव आराधना करनी चाहिए। श्रवण नक्षत्र के चारों चरण मकर राशि में पडते हैं और मकर राशि का स्वामी ग्रह शनि है। शनि की दशा-अन्तर्दशा अथवा साढ़ेसाती से छुटकारा प्राप्त करने के लिए श्रावण मास में शिव पूजा अमोघ फलदायी है। श्रावण मास में प्रतिदिन शिवोपासना, पार्थिव शिवपूजा, रुद्राष्टाध्यायी पाठ, महामृत्युंजय जप आदि करने का विशेष महत्व है। शिवार्चन में शिव महिम्न स्तोत्र, शिव ताण्डव स्तोत्र, शिव पंचाक्षर स्तोत्र, शिव मानस पूजा स्तोत्र, रुद्राष्टक, बिल्वाष्टक, लिंगाष्टक, शिव नामावल्यष्टक स्तोत्र, दारिद्रय दहन स्तोत्र आदि के पाठ करने का महत्व है। मंत्र-यंत्रों में सर्वश्रेष्ठ महामृत्युंजय यंत्र (शिव यंत्र) की साधना सावन मास में करना फलदायी है। मनोकामना सिद्धि के लिए कावडिये भी इसी मास में पैदल चलकर कावड में गंगाजल अथवा तीर्थस्थलों की नदियों का जल श्रद्धापूर्वक लाकर शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। सावन मास की सारी तिथियां व्रत व पुण्य कार्यों के लिए होती है। जप तप आदि के लिए यह मास सर्वश्रेष्ठ है। पुराणों के अनुसार श्रावण मास में शिवजी को एक बिल्व पत्र चढ़ाने से तीन जन्मों के पापों का नाश होता है।

कैसे करें शास्त्रोक्त पूजन

भोलेनाथ की पूजा विधि अत्यंत सरल है, वे मात्र आक, धतूरा, भांग, बेलपत्र, पुष्प, जल आदि से शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। शिवजी की पूजा के लिए जल, कच्चादूध, दही, बूरा, घी, शहद, गंगाजल, पंचामृत, मोली, सफेदवस्त्र, यज्ञोपवीत, चंदन, फल, बिल्वपत्र, दूर्वा, आक, धतूरा, कमलगटा, पान, सुपारी, लोंग, इलाइची, पंचमेवा, धूप, दीप, दक्षिणा आदि सामग्री एकत्रित करके पूजा के लिए शुद्ध आसन पर पूर्वाभिमुख या उत्तराभिमुख बैठकर पहले 'ॐ नमः शिवाय' कहकर तीन बार आचमन करें। ''ॐ त्रयम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान्नमृत्योर्मुक्षीय मामृतात्'' इस मंत्र द्वारा विभूति धारण करें। पुनः पवित्री धारण, शरीर शुद्धि और आसन शुद्धि कर लेनी चाहिए। पूजन का संकल्प लेकर संकल्प वाक्य के अंत में 'श्रीसाम्ब सदाशिव प्रीत्यर्थं गणपत्यादि सकल देवता पूर्वकं श्रीभवानीशंकर पूजनं करिष्ये'' कहकर संकल्पित जल छोड़ें। इसके पश्चात् सर्वप्रथम गौरी-गणेश का पूजन करें। तत्पश्चात भगवान शंकर के विशिष्ट अनुग्रह की प्राप्ति के लिए उनके पूजन से पूर्व उनके परिवार व पार्षदों गणेश, पार्वती, नन्दीश्वर, वीरभद्र, कार्तिकेय, कुबेर एवं कीर्तिमुख का पूजन करें और आवाहन मंत्रों से मूर्तियों के समीप पुष्प छोड़ें। जलहरी में सर्प का पूजन करने के पश्चात शिवपूजन करना चाहिए। सबसे पहले शिवलिंग को दूध से स्नान कराऐं, पुनः शुद्ध जल से स्नान कराएं और आचमन के लिए जल चढ़ाएं। अब दही से स्नान कराकर शुद्ध जल से स्नान कराएं तथा आचमन के लिए जल समर्पित करें। इसी क्रम से घी, शहद और शर्करा से स्नान कराकर शुद्ध जल से स्नान कराएं तथा आचमन के लिए तीनों स्नानों में जल चढाएं। इसके पश्चात एकत्रित पंचामृत से स्नान कराकर शुद्ध जल से स्नान कराएं। पुनः कपूर से सुबासित शीतल जल चढ़ाएं। केसर को चंदन से घिसकर तिलक-त्रिपुण्ड लगाएं। पुष्प, बिल्वपत्र, धूप, दीप, नैवेद्य अर्पण करें। आरती, पुष्पांजली एवं क्षमा याचना करें। पूजा में ''ॐ नमः शिवाय'' तथा ''हर-हर महादेव'' का जप निरंतर करते रहें।

अमोघ फलदायी है सोमवार व्रत

पुराणों में सोमवार व्रत को अमोघ फलदायी कहा गया है। विवाहित महिलाओं को सावन सोमवार का व्रत करने से परिवार में खुशियां, समृद्धि और सम्मान प्राप्त होता है। पुरुषों को इस व्रत से कार्य-व्यवसाय में उन्नति, शैक्षणिक गतिविधियों में सफलता और आर्थिक रुप से उन्नति मिलती है। अविवाहित पुरुषों को सुशील पत्नी मिलती है। कन्या यदि सावन सोमवार का व्रत करें और शिव परिवार का विधि पूर्वक पूजन करें तो उन्हें अच्छा घर और वर मिलता है। सोम ब्राह्मणों के राजा और औषधियों के देवता हैं।

अतः शिव प्रिय सोमवार का व्रत करने से समस्त शारीरिक, मानसिक और आर्थिक कष्ट दूर होकर जीवन सुखमय हो जाता है। सोमवार के व्रत का विधान अत्यन्त सरल है। इस व्रत में एक समय ही भोजन किया जाता है। भगवान शिव और माता पार्वती का ध्यान कर शिव पंचाक्षर मंत्र 'ॐ नमः शिवाय' का जप करते हुए पूजन करना चाहिए। इससे भगवान शंकर प्रसन्न होकर मनोवांछित फल देते हैं। इस दिन स्नान करके श्वेत या हरे वस्त्र धारण करें, श्री गणेशजी, शिवजी, पार्वतीजी तथा नंदीजी की पूजा करें। दिनभर मन प्रसन्न रखें। दिन भर पंचाक्षरी मंत्र का मन ही मन जप करते रहें। सायंकाल शिव मंदिर में या अपने घर में ही मिट्टी से शिवलिंग और पार्वती तथा श्री गणेश की मूर्ति बनाकर सोलह प्रकार से पूजन करें। इनमें सोलह दूर्वा, सोलह सफेद फूल और सोलह मालाओं से शिव पूजन करना समस्त कामनाओं को पूर्ण करने वाला होता है। अंत में सोलह बत्तियों के दीपक से आरती करके क्षमा प्रार्थना करें। इस वर्ष सावन के महिने में पाँच सोमवार 22, 29 जुलाई एवं 5, 12 व 19 अगस्त को होगें।

कब करें रुद्राभिषेक

ज्योतिष शास्त्र के प्राचीन ग्रंथ बृहत्पाराशरहोराशास्त्र और भृगु संहिता में विभिन्न ग्रहों की दशा-अर्न्तदशा में बनने वाले अनिष्टकारक योग की शांति हेतु शिवार्चन और रुद्राभिषेक का परामर्श दिया गया है। किसी कामना से किए जाने वाले रुद्राभिषेक में शिव वास का विचार करने पर ही अनुष्ठान सफल होता है और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। प्रत्येक मास के कृष्णपक्ष की प्रतिपदा, अष्टमी, अमावस्या तथा शुक्लपक्ष की द्वितीया व नवमी तिथि को भगवान शिव का निवास माता गौरी के साथ होता है, इन तिथियों में रुद्राभिषेक करने से सुख समृद्धि प्राप्त होती है। कृष्णपक्ष की 4, 11 तथा शुक्लपक्ष की 5 व 12 तिथियों में भगवान शंकर कैलाश पर्वत पर होते हैं। अतः इन तिथियों में रुद्राभिषेक करने से शिव कृपा से परिवार में आनंद मंगल होता है। कृष्णपक्ष की 5, 12 तथा शुक्लपक्ष की 6 व 13 तिथियों में भोलेनाथ नंदी पर सवार होकर विश्व भ्रमण करते हैं। अतः इन तिथियों में रुद्राभिषेक करने पर अभीष्ट सिद्धि होती है। कृष्णपक्ष की 7, 14 तथा शुक्लपक्ष की 1, 8 व पूर्णिमा तिथियों में भगवान शंकर श्मशान में समाधिस्थ होते हैं, अतएव इन तिथियों में किसी कामना की पूर्ति के लिए किए जाने वाले रुद्राभिषेक में आवाहन करने पर उनकी साधना भंग होती है। इससे यजमान पर महाविपत्ति आ सकती है। कृष्णपक्ष की 2, 9 तथा शुक्लपक्ष की 3 व 10 तिथियों में महादेवजी देवताओं की सभा में उनकी समस्यायें सुनते हैं। अतः इन तिथियों में सकाम रुद्राभिषेक अनुष्ठान करने पर दुःख मिलेगा। कृष्णपक्ष की 3, 10 तथा शुक्लपक्ष की 4 व 11 में नटराज क्रीड़ारत रहते हैं। अतः इन तिथियों में सकाम रुद्राभिषेक संतान को कष्ट दे सकता है। कृष्णपक्ष की 6, 13 तथा शुक्लपक्ष की 7 व 14 तिथियों में रुद्रदेव भोजन करते हैं। अतः इन तिथियों में सांसारिक कामना से किया गया रुद्राभिषेक पीडा दे सकता है। इस प्रकार शिवार्चन के लिए कृष्णपक्ष में शुभ तिथियां 1, 4, 5, 6, 8, 11, 12, 13, 30 हैं। शुक्लपक्ष में 2, 5, 6, 7, 9, 12, 13, 14 तिथियां शुभ हैं। शिव वास का विचार सकाम अनुष्ठान में ही जरुरी है।

ये रखें सावधानियाँ

▶▶ चंदन, भस्म, त्रिपुण्ड और रुद्राक्ष माला ये शिव पूजन के लिए विशेष सामग्री हैं जो पूजा के समय शरीर पर होनी चाहिए। शिवलिंग अथवा अपने ललाट पर तिलक-त्रिपुण्ड विधि विधान से लगाना चाहिए। सर्वप्रथम अंगूठे से ऊर्ध्वपुण्ड (नीचे से ऊपर की ओर) लगाने के बाद मध्यमा और अनामिका उंगली से बांयी ओर से प्रारम्भ कर दाहिनी ओर भस्म लगाानी चाहिए। इसके बाद तीसरी रेखा अंगूठे से दाहिनी ओर से आरम्भ कर बायीं ओर लगावें। इस प्रकार तीन रेखाएं खिंच जाती हैं जिसे त्रिपुण्ड कहते हैं। इन रेखाओं के बीच का स्थान रिक्त रखें। इसके बाद 'ॐ नमः शिवाय' बोलते हुए ललाट, गर्दन, भुजाओं और हृदय पर भस्म लगाएं।

▶▶ शिव की पूजा में दूर्वा और तुलसी मंजरी से पूजा श्रेष्ठ मानी जाती है। शंकर की पूजा में तिल का निषेध है।

▶▶ शिवजी को सभी पुष्प प्रिय हैं। केवल चम्पा और केतकी के पुष्प का निषेध है। नागकेशर, जवा, केवडा तथा मालती का पुष्प भी नहीं चढ़ाया जाता है। निश्चित संख्या में जूही के फूल चढ़ाने से धन धान्य की कमी नहीं रहती है। हार सिंगार के पुष्प अर्पण करने से सुख सम्पत्ति की वृद्धि होती है। भांग एवं सफेद आक के पुष्प चढ़ाने से भोले शंकर शुभ आर्शीवाद प्रदान करते हैं। बिल्वपत्र, कमलपुष्प, कमलगटा के बीज चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। पुत्र प्राप्ति के लिए धतूरे के पुष्प अर्पण करें। राई के पुष्पों द्वारा पूजन करने से शत्रुओं का नाश होता है।

▶▶ शंकर की पूजा में बिल्वपत्र प्रधान है, किन्तु बिल्वपत्र में चक्र और बङ्का नहीं होना चाहिए। कीड़ों द्वारा बनाया हुआ सफेद चिन्ह चक्र कहलाता है और बिल्व पत्र में डण्ठल की ओर जो थोडा सा मोटा भाग होता है वह बङ्का कहा जाता है। वह भाग तोड़ देना चाहिए। बिल्वपत्र चढ़ाते समय बिल्व पत्र का चिकना भाग मूर्ति की ओर रहे अर्थात उलटा चढ़ाएं अन्य फल पुष्प जैसे उगते हैं वैसे ही सीधे चढ़ाने चाहिए। बिल्व पत्र को चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या तिथियों को, संक्रान्ति के दिन और सोमवार को नहीं तोडें। निाषिद्ध दिन से पहले तोड़कर रखा बिल्वपत्र बासी नहीं होता है। यदि नूतन बिल्व पत्र नही मिल सके तो शिवजी पर चढे हुए बिल्वपत्र को ही धोकर बार-बार चढ़ाया जा सकता है।

▶▶ शिवलिंग पर आक, धतूरा, कनेर तथा नील कमल के पुष्प अर्पण करने से पुण्यफल प्राप्त होता है।

▶▶ शिवलिंग पर चढे हुए फल, फूल, नैवैद्य, पत्र एंव जल ग्रहण करना निषिद्ध है। यदि शालिग्राम से उनका स्पर्श हो जाय तो वे ग्रहण करने योग्य हो जाते हैं। ज्योर्तिलिंग पर चढे हुए जल, पदार्थ आदि ग्रहण कर सकते हैं।

▶▶ घर के पूजा कक्ष में दो शिवलिंग का निषेध है। शंकर की आधी बार परिक्रमा करें, जलहरी से निकलने वाले जल की धारा का उल्लंघन नहीं करें। भगवान शंकर के पूजन के समय करताल नहीं बजाया जाता है। शिव मंदिर में सफाई-झाडू करने वाले शिव भक्त की मनोकामना पूरी होती है।

शिव पूजन के महत्वपूर्ण मंत्र

श्री महामत्युंजय मंत्र - ॐ हौं जूं सः ॐ भुर्भवः स्वः ॐ त्रयम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान्नमृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॐ स्वः भुवः भूः ॐ सः जूं हौं ॐ ।। इसे संजीवनी विद्या के नाम से भी जाना जाता है।

शिव परिवार पूजन मंत्र

1. गणपति पूजन

पूजन मंत्र- आवाहयामि पूजार्थं च मम कृतो।
इहागत्य गृहाण त्वं पूजाऽयम् गणेश्वरः।।

प्रार्थना मंत्र- लम्बोदर नमस्तुभ्यं सततं मोदकप्रियं।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्व कार्येषु सर्वदा।।

2. पार्वती पूजन

पूजन मंत्र- हेमाद्रितनयां देवी वरदां शंकरप्रियाम्।
लम्बोदरस्य जननी गौरीमावाहयाम्हम्।।

प्रार्थना - ॐ अम्बे अम्बिके अम्बालिके न मानयति कश्चन्।
स सस्त्यश्वकः सुभद्रिकां काम्पीलवासिनीम्।।

3. नंदीश्वर पूजन

पूजन मंत्र- ॐ आयं गौः पृष्निरक्रमीदसदन् मातरं पुरः।
पितरं च प्रयन्त्स्वः।।

प्रार्थना- ॐ प्रैतु वाजी कनिक्रदन्नानदद्रासभः पत्वा।
भरन्नग्निंपुरीष्यं मा पाद्यायुषः पुरा।।

4. वीरभद्र पूजन

पूजन मंत्र- ॐ भद्रं कर्णेभिः श्रृणुयाम देवा भद्रं पश्येमाक्षभिर्यजत्राः।
स्थिरे रंगैस्तुष्टुवा सस्तनूभिर्व्यषेमहि देवहितं यदायुः।।

प्रार्थना- ॐ भद्रो नो अग्निराहुतो भद्रा रातिः सुभग भद्रो अध्वरः।
भद्रा उत प्रशस्तयः।।

5. कार्तिकेय पूजन

पूजन मंत्र- ऊँयदक्रन्दः प्रथमं जायमान उद्यन्त्समुद्रादुत वा पुरीशात्।
श्येनस्य पक्षा हरिणस्य बाहू उपस्तुत्यं महि जातं ते अर्वन्।।

प्रार्थना- ॐ यत्र वाणाः सम्पतन्ति कुमारा विशिखा इव।
तत्र इन्द्रो बृहस्पतिरदितिः शर्म यच्छतु विश्वाहा शर्म यच्छतु।।

6. कुबेर पूजन

पूजन मंत्र- ॐ कुविदंग यवमन्तो यवं चिद्यथा दान्त्यनुपूर्वं वियूय।
इहेहैषां कृणुहि भोजनानि ये बर्हिषो नम उक्तिं यजन्ति।।

प्रार्थना- ॐ वयम् सोम व्रते तव मनस्तनूषु बिभ्रतः।
प्रजावन्तः सचेमहि।।

7. कीर्तिमुख पूजन

ॐ असवे स्वाहा, वसवे स्वाहा, विभुवे स्वाहा, विवस्वते स्वाहा, गणाश्रिये स्वाहा, गणपतये स्वाहा, विभुवे स्वाहा ऽधिपतये स्वाहा, शूषाय स्वाहा, सम् सर्पाय स्वाहा, चंद्राय स्वाहा, ज्योतिषे स्वाहा, मलिम्लुचाय स्वाहा, दिवापतये स्वाहा।।

प्रार्थना - ॐ जश्च मे सहश्च मे आत्मा च मे तनूश्च मे शर्म च मे वर्म च मेऽगांनि च मेऽस्थीनि च मेऽपरू द्रूषि च मे शरीराणि च मे आयुश्च मे जरा च मे यज्ञेन कल्पन्ताम्।।

8. जलहरी में सर्प पूजन

पूजन मंत्र- ॐ नमोऽस्तु सर्पेभ्यो ये के च पृथवीमनु।
ये अन्तरिक्षे ये दिवि तेभ्यः सर्पेभ्या नमः।।

9. शिव आवाहन

पूजन मंत्र- ॐ त्रयम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्नमृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।
आगच्छ भगवन् देव स्थाने चात्र स्थिरो भव।
यावत् पूजां करिष्येऽहं तावत् त्वं संनिधौ भव।।

नए लेखकों का संबल बनेगा

ऋषिमुनि प्रकाशन

आप अच्छे लेखक हैं तो आपको एक अच्छे प्रकाशक की भी आवश्यकता है, जो आपके बजट में आपकी अनमोल कृति का प्रकाशन कर पाठकों तक पहुँचा सके। ऐसे सभी लेखकों के लिए देश का प्रतिष्ठित प्रकाशन समूह ''ऋषिमुनि प्रकाशन'' समाधान बनकर आया है।

''ऋषिमुनि प्रकाशन'' विगत 30 वर्षों से अपने सुरूचि पूर्ण, सुंदर एवं गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन के लिए प्रतिबद्ध व प्रसिद्ध है। निरंतर आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए प्रकाशन समूह ने विभिन्न विषयों पर अब तक 100 से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन कर पाठकों के बीच अपनी पेठ बनायी है।

अब समूह ने अपनी नई योजना के तहत अत्यल्प लागत शुल्क लेकर कई सेवाओं के साथ जैसे टाईपिंग, प्रुफ-रीडिंग, डिज़ाइनिंग, ISBN No. आदि के साथ नये लेखकों की रचनाओं के प्रकाशन का बीड़ा उठाया है। आप आपनी कविताओं, कथाओं, व्यंग्य, आलेख व धर्म से संबंधित रचनाओं के पुस्तकाकार रूप में प्रकाशन के प्रति उत्सुक हैं तो कृपया संपर्क कर अपना मनोरथ सिद्ध करें।

सम्पर्क- 90, विद्या नगर, सांवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.) मोबाईल : 094250-91161
www.rishimuniprakashan.com

ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित कोई भी पुस्तक आप घर बैठे भी प्राप्त कर सकते हैं।
श्री माहेश्वरी टाईम्स के पाठकों को इनके मूल्य पर विशेष छूट प्रदान की जाएगी।

बुलडाणा अर्बन

को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी लि., बुलडाणा मल्टिस्टेट रजि.नं. २६७

www.buldanaurban.in | buldanaurban@rediffmail.com

ISO-9001 : 2000 एवंम
SA 8000-2002 मानांकित

☎:(07262) 242705, 243705

संस्था का कार्यक्षेत्र :- • महाराष्ट्र • राजस्थान • मध्यप्रदेश • छत्तीसगढ • गुजराथ • अंदमान-निकोबार

■ संस्था की वर्तमान स्थिती ■

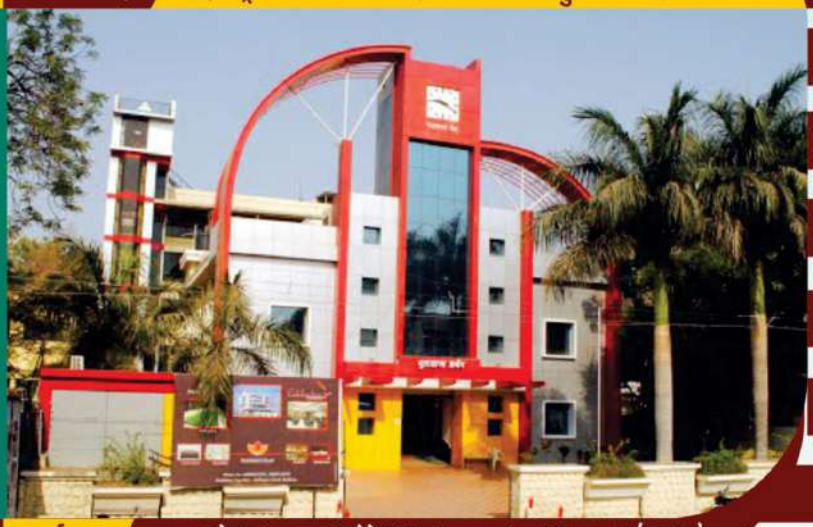

कुल जमाराशी	१२४७१ करोड
कुल ऋणराशी	९०१० करोड
कुल गोदाम	४०५
कुल शाखा	४७६
कुल गोल्ड लोन	२४६४
कुल सदस्य	१३,६०,०००

कार्यालय :- सहकार सेतु, हुतात्मा गोरे पथ, बुलडाणा - ४४३ ००१ (म.रा.)

संस्था की योजनाए

- पुना में छात्रो के लिए छात्रानिवास
- उच्च शिक्षा लेनेवाले छात्रो के लिऐ विशेष ऋण योजना
- तिरुपती (आंध्रप्रदेश), माहुर एवं शिर्डी में भक्तनिवास
- बुलडाणा स्थित १२५ महिलाओं का छात्रानिकेतन
- ६०० वेअर हाऊस (ग्रेन बँक)
- बुलडाणा एवं मोर्शी गोरक्षण धाम
- बुलडाणा में वेदविद्यालय एवं जिवनसंध्या स्वर्गाश्रम

बुलडाणा अर्बन चॅरिटेबल द्वारा संचालित

सहकार विद्या मंदिर एवंम कनिष्ठ विज्ञान, वाणिज्य महाविद्यालय

विद्यानगरी, चिखली रोड, बुलडाणा - ४४३ ००१

AQSR
ISO 9001-2000 Registered

www.sahakarvidyamandir.in
(07262) 244707, 245705

वर्ग १ से १२ (विज्ञान शाखा)

विशेषताए ■

- बुलडाणा शहर से ५ कि.मी. अंतर पर प्रदुषण रहीत वातावरण में ३० एकर विशाल परिसर में अनोखी स्कुल.
- अत्याधुनिक उपकरणों के साथ विशाल पुस्तकालय, पाठशाला, विशाल भोजन कक्ष, इंडोअर और आऊटडोअर स्टेडीयम और सुविधाओं से पुरिपुर्ण कॉम्प्युटर लॅब.
- पौष्टीक भोजन तथा स्वास्थ रक्षा.
- शिक्षा भ्रमण, आश्वारोहण, पर्वतरोहण, निशानेबाजी, स्विमिंग, कराटे, संगीत, तलवारबाजी और भी बहोत कुछ....
- स्कुल की कुल शाखाएँ २० :- बुलढाणा, जलगाँव(जा), पिपलगावराजा, मोतला, धामणगाँव बढे, डोंगरखंडाला, उंद्री, जानेफल, डोणगाँव, सुलतानपूर, बिबी, साखरखेर्डा, सिदखेडराजा, देवलगाँवराजा, देवलगाँव मही, धाड, वरवट बकाल, दानापूर (अकोला जिला), फतेपूर (जलगाँव जिला) पिपलगाँव काले.
- शाखाओं के कुल छात्र :- २८०००.
- छात्रावास :- छात्र एवंम् छात्राओं के लिए स्वतंत्र व्यवस्था. • बुलडाना जिल्हे में २० इग्लीश मिडीयम स्कुल जिसमें २५००० विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते है ।
- मोशन क्लासेस कोटा (राजस्थान) के NEET / AIIMS / JEE / MHTCET / KVPY तथा Board Exam की ब्रांच बुलडाना में शुरु है ।

■विनित■

सौ. कोमल झंवर
अध्यक्षा, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

राधेश्याम चांडक
संस्थापक अध्यक्ष, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

डॉ. सुकेश झंवर
चिफ मॅनेजिंग डायरेक्टर, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

सहकार की समृध्द परंपरा ..... बुलडाणा अर्बन....! सहकार की समृध्द परंपरा ..... बुलडाणा अर्बन....! सहकार की समृध्द परंपरा ..... बुलडाणा अर्बन....!

वास्तव में सोश्यल मीडिया लोगों को जोड़े रखकर परस्पर सम्पर्क बढ़ाने का एक बहुत अच्छा माध्यम है। लेकिन वर्तमान में यह ब्लेकमेलिंग का जरिया भी बनाया जा रहा है। अभी हाल फिलहाल में ऐसे कई केस आये हैं जिसमें माहेश्वरी समाज के बच्चों यहां तक कि अधेड़ उम्र के लोगों के भी फंसने की बात सामने आई है। एक बार फंसने के बाद प्रारम्भ ब्लेकमेलिंग का सिलसिला फिर थमता नहीं है।

सावधानी बरतें ब्लेकमेल होने से बचें

ललित धूत, मुम्बई

सबसे पहले चालबाज लड़कियाँ फेसबुक तथा अन्य सोशल मीडिया साइट्स पर लड़कों और अधेड़ उम्र के पुरुषों की प्रोफाइल की गहन जांच करती हैं और फिर उसमे से अपने शिकार का चयन करती हैं। उसके बाद उन्हें या तो फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजती हैं या फिर संबंधित साइट्स के मैसेंजर द्वारा मैसेज भेजती हैं। लड़कों/पुरुषों द्वारा फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने पर या उनके मैसेज का जवाब देने पर वो बातचीत का सिलसिला आगे बढ़ाती हैं। फिर शुरू होता है उत्तेजक बातों का दौर। उसके बाद वीडियो कॉल करने का आमंत्रण मिलता है। वीडियो कॉल करने पर वो लड़कियां कैमरे पर अपने कपड़े उतार कर नग्न व उत्तेजक कार्य करने लगती हैं ताकि पुरुष भी अपने वस्त्र उतार कर नग्न व उत्तेजक कार्य करने लगे।

ऐसे होती है ब्लेकमेलिंग की तैयारी

लोगों में यह आम धारणा है कि वीडियो कॉल रिकॉर्ड नही होती है। किंतु आजकल प्लेस्टोर पर ऐसे बहुत सारे एप्प उपलब्ध हैं जिनके द्वारा वीडियो कॉल रिकॉर्ड की जा सकती है। ये चालबाज़ लड़कियां इन्ही एप्प का उपयोग करके वो सारी वीडियो रिकॉर्ड कर लेती हैं और फिर उनको एडिट करके उसमें और तमाम तरह के दूसरे नग्न व उत्तेजक दृश्य डाल कर पुरुषों को भेज देती हैं कि अब या तो एक मोटी रकम दो नही तो यह वीडियो वायरल कर दिया जाएगा। अगर आप अपनी इज़्ज़त बचाने की खातिर उनको रकम दे देते हैं तब ब्लैकमेलिंग का लंबा खेल शुरू हो जाता है। हर कुछ दिनों के अंतराल पर आपसे रकम की मांग की जाती रहेगी, जब तक कि आप कंगाल ना हो जाएं। और अगर आप रुपये देने से इनकार करते हैं तो ऐसी लड़कियां आपके उस वीडियो को आपकी फेसबुक प्रोफाइल पर उपलब्ध सभी फ्रेंड्स को भेज देती हैं। इसके अलावा इंटरनेट पर उपलब्ध तमाम वेबसाइट्स पर भी वो वीडियो अपलोड किए जा सकते हैं।

डर का उठाते हैं फायदा

मेरी नज़र में यह भी आया है, पैसा वसूलने के लिए नकली पुलिस वाले का फ़ोन भी डराने के लिए कराया जाता है कि आपके खिलाफ फलां-फलां लड़की ने फलां-फलां थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। आप उस लड़की से बात करके मामले का निपटारा कर लो, नही तो आपको गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आपके नग्न वीडियो इंटरनेट पर वायरल होने की दशा में या तो आपको पूरा जीवन परिवार और समाज की नजरों में गिर कर बिताना होगा या फिर शर्मिंदगी से बचने के लिए आप आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाने को मजबूर होंगे। किन्तु फिर भी सवाल ये है कि क्या आपके आत्महत्या कर लेने भर से आपके परिवार के अन्य लोगों की शर्मिंदगी समाप्त हो जाएगी?

ब्लेकमेलिंग से ऐसे बचें

सबसे पहले डर को अपने दिल से निकाल दीजिये। ब्लैकमेल करने वाले का एकमात्र मकसद होता है आपसे किसी भी प्रकार से पैसा ऐंठना। इसलिए हड़बड़ी में पैसा देने जैसा कोई भी कदम नही उठाएं। एक बार भी अगर आपने पैसा दे दिया तो फिर यह सिलसिला शुरू हो जाएगा और हर रोज़ एक नई मांग होगी। अतः पैसा देकर मामला खत्म करने की बात बिल्कुल ना सोचें। निडर होकर सामने वाले से बात करें और उसे पुलिस में कंप्लेंट करने की धमकी दें। चूंकि उनका एकमात्र मकसद पैसों की वसूली है, जेल जाना नही, इसलिए पुलिस कंप्लेंट की धमकी देने से वो आपका पीछा छोड़ सकती हैं। इस मामले से निपटने के लिए आप अपने विश्वासप्राप्त मित्र की सहायता भी ले सकते हैं। इस प्रकार की चालबाज लड़कियों के किसी भी प्रकार के झांसे में ना आएं। कहीं ऐसा ना हो कि क्षणिक सुख के चक्कर मे आप अपना धन और परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा दोनों का सर्वनाश कर बैठें।

परीक्षाओं के परिणाम आ चुके हैं। कुछ ने आशातीत सफलता हासिल की है, वहीं कुछ ने अपेक्षित परिणाम न पाने के कारण निराशा का सामना किया है। यह समय है जब हमें अपने अनुभवों से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। चाहे सफलता मिली हो या असफलता, दोनों ही स्थितियों में हमें प्रेरित रहने की आवश्यकता है।

असफलता भी बहुत बड़ी मार्गदर्शक

डॉ. राधेश्याम लाहोटी,
(ज्योतिष विशेषज्ञ एवं विचारक)
नोखा

■ लक्ष्य निर्धारण

सफलता और असफलता दोनों ही जीवन के हिस्से हैं, लेकिन आपका लक्ष्य स्थिर रहना चाहिए। अपने लक्ष्य को स्पष्ट रूप से समझें और उसे प्राप्त करने की योजना बनाएं। याद रखें, लक्ष्य जितना स्पष्ट होगा, उसे हासिल करना उतना ही आसान होगा।

■ मेहनत और समर्पण

महान वैज्ञानिक थॉमस एडिसन ने कहा था, 'सफलता 1% प्रेरणा और 99% पसीने से बनती है।' मेहनत और समर्पण ही सफलता की असली कुंजी है। कठिन परिश्रम से ही आप अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। अध्ययन में निरंतरता और नियमितता बनाए रखें, चाहे परिणाम कुछ भी हों।

■ सकारात्मक सोच

सकारात्मक सोच आपकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जीवन में कितनी भी कठिनाई क्यों न आए, हमेशा सकारात्मक रहें। नकारात्मकता को दूर करें और हर स्थिति में कुछ अच्छा देखने की कोशिश करें। सकारात्मक दृष्टिकोण न केवल आपको प्रेरित करेगा बल्कि आपके आस-पास के लोगों को भी प्रेरित करेगा।

■ समय प्रबंधन

समय प्रबंधन एक महत्वपूर्ण कौशल है जिसे हर विद्यार्थी को सीखना चाहिए। समय की कद्र करें और उसे सही ढंग से उपयोग में लाएं। एक समय सारणी बनाएं और अपने दिनचर्या का पालन करें। सही समय पर सही कार्य करने से आप न केवल अपनी पढ़ाई में उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे बल्कि जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी सफल होंगे।

■ आत्मविश्वास

आत्मविश्वास सफलता की एक और महत्वपूर्ण कुंजी है। अपने आप पर विश्वास रखें और अपनी क्षमताओं पर संदेह न करें। आत्मविश्वास आपको हर कठिनाई का सामना करने और उसे पार करने में मदद करेगा। जब आप खुद पर विश्वास करते हैं, तो आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक साहस और धैर्य भी पा जाते हैं।

■ सीखने की इच्छा

सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है। हमेशा कुछ नया सीखने की कोशिश करें। ज्ञान प्राप्ति के लिए हमेशा उत्सुक रहें। किताबें पढ़ें, अपने शिक्षकों और मित्रों से सीखें और हर अवसर का उपयोग करें। नई चीजें सीखने से आपका दिमाग विकसित होगा और आप अधिक कुशल बनेंगे।

■ स्वास्थ्य का ध्यान

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। अपनी सेहत का ख्याल रखें। सही खान-पान और नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। अच्छा स्वास्थ्य आपकी एकाग्रता और अध्ययन क्षमता को बढ़ाएगा।

निष्कर्षः सफलता एक निरन्तर यात्रा

सफलता कोई मंजिल नहीं बल्कि एक यात्रा है। इस यात्रा में कठिनाइयाँ और चुनौतियाँ आएँगी, लेकिन अपने लक्ष्य पर दृढ़ रहें और मेहनत करते रहें। अपने सपनों को जीने का साहस रखें और कभी हार न मानें। आप में अपार क्षमता है और आप जो चाहें वह प्राप्त कर सकते हैं। सफलता और असफलता दोनों ही हमारे जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। इन्हें स्वीकार करें और अपने अनुभवों से सीखें। आप सभी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं!

जीवेत् शरदः शतम् ।

91 Years

अ.भा. माहेश्वरी महासभा
. के पूर्व सभापति,
समाज के पितामह व
श्री माहेश्वरी टाईम्स के संरक्षक
श्रद्धेय पद्मश्री बंशीलाल जी राठी
के सफल जीवन के
14 अगस्त 2024 को
91 वर्ष पूर्ण करने पर
सादर वंदन अभिनंदन
साथ ही
परम् पिता परमेश्वर से प्रार्थना है
आप शतायु होकर मानवता की
सेवा का कीर्तिमान स्थापित
करते रहें। मंगलकामनाऐं

श्री माहेश्वरी टाईम्स
परिवार

वर्तमान में हमारा देश ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व बढ़ते तापमान सहित विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है। इन समस्याओं का कारण पेड़-पौधों की अंधाधुंध कटाई है, लेकिन इससे होने वाले नुकसान यहीं तक सीमित नहीं है। ऐसा करके हम इनके औषधीय लाभ से भी वंचित होते जा रहे हैं।

गोवर्धन दास बिन्नाणी
'राजा बाबू'

प्रकृति की अनमोल देन औषधीय पेड़-पौधे

हम जो अन्धाधुंध पेड़ों की कटाई कर रहे हैं वह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं माना जा सकता। नीम, कुरकुमालौंगा, लहसुन, अदरक, अंगूर, मेथी, करेला, अनार, शतावरी, मुंगना (सहजन), उलटकंबल, श्योनाक, पीपल, बेलपत्र/फल, बरगद/बड़, आंवला एवं अशोक इत्यादि अनेक ऐसे पौधे हैं जिनमें प्रचुर औषधीय गुण मौजूद हैं। दुनियाभर में इन औषधीय पौधों से ही दवायें विकसित की जा रही हैं। इसलिये आवश्यकता यही है कि इस तरह के सभी औषधीय पौधों को सरंक्षण प्रदान किया जाय। इन पौधों को विकसित करने से जमीन मालिक न केवल पर्यावरण संरक्षण को मजबूती प्रदान करेंगे बल्कि अपनी आमदनी में भी बढ़ोतरी कर पायेंगे।

असाध्य बीमारियों का भी इलाज

नीम, कुरकुमालौंगा, लहसुन, अदरक, अंगूर, मेथी, करेला, अनार, शतावरी, मुंगना (सहजन), उलटकंबल, श्योनाक इत्यादि अनेक ऐसे पौधे हैं जिनके सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर घट जाता है। हाल ही में करंट साइंस जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में ऐसा पढ़ने में आया है कि इन पौधों में मधुमेह रोधी गुण पाये गये हैं। हालांकि उस अध्ययन में उपरोक्त के अलावा भी कुछ और पौधों का उल्लेख है। और इनका चूहों पर परीक्षण भी किया जा चूका है। परीक्षण में इस तरह के पौधों में एंटीऑक्सीडेंट गुण जानकारी में आये, जो किडनी में ऑक्सीडेंटिव तनाव को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। जैसा सभी जानते हैं मधुमेह रोगियों में किड़नी खराब होने की प्रबल सम्भावना रहती है। इस तरह के अध्ययनों से ऐसा विश्वास उत्पन्न हुआ है कि इन औषधीय पौधों से जो दवायें विकसित की जायेंगी उनसे किड़नी का समुचित प्रभावी इलाज हो पायेगा।

प्रकृति का अद्भूत वरदान

उपरोक्त के अलावा पीपल, बेलपत्र/फल, बरगद/बड़, आंवला एवं अशोक वृक्ष भी औषधीय गुणों से भरपूर हैं। पीपल एक ऐसा पौधा है जिसमें से न केवल प्राणवायु ऑक्सीजन निकलती है बल्कि इसके साथ ओज़ोन गैस भी। पीपल की जड़ एवं पत्ते अनेक रोगों जैसे अस्थमा, त्वचा सम्बन्धित अनेक रोगों की दवा बनाने में उपयोग किये जाते हैं। इसी क्रम में बेलपत्र में प्रोटीन, विटामिन ए एवं बी वगैरह तत्व, तो बेलफल में कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, प्रोटीन वगैरह पाते जाते हैं। इसका भी उपयोग त्वचा सहित अनेक रोगों की दवा तैयार करने में लिया जाता है। जहां तक बड़ का सवाल है तो जान लें बड़ का दूध बहुत बलदायी माना जाता है। इसलिये बड़ के दूध के सेवन से शरीर का कायाकल्प हो जाता है। वहीं बरगद के पेड़ से भी आयुर्वेद में अनेक तरह के इलाज किये जाते हैं जिसमें धातु सम्बन्धित रोग को ठीक करने में इसे रामबाण औषधि माना जाता है। चरक संहिता में एक सौ रोगों के निदान हेतु आंवला को एकदम उपयुक्त बताया गया है इसलिये ही आंवले को आयुर्वेद में अमृत फल माना जाता है। इसको काष्ठोषधि एवं रसौषधि अर्थात दोनों तरह की औषधि निर्माण में काम में लेते हैं। जैसा आप सभी जानते हैं आंवले का प्रयोग न केवल बालों की हर तरह की देखभाल के लिये बल्कि त्रिदोष, कब्ज, मूत्र विकार इत्यादि रोगों के लिये लाभकारी सिद्ध हुआ है। आयुर्वेद में अशोक वृक्ष स्त्री विकारों को दूर करने वाला प्रमुख वृक्ष माना जाता है।

माहेश्वरी समाज के गौरव
हम सभी के आत्मीय
अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के
अध्यक्ष

श्री रामकुमार भूतड़ा

को १८ अगस्त २०२४ को
जीवन के स्वर्णिम ७५ वर्ष पूर्ण करने पर
हार्दिक अभिनंदन, बधाई एवं
अमृत महोत्सव की शुभकामनाएँ।
इस पावन अवसर पर हम
आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं सफल जीवन की
बाबा श्री महाकालेश्वर से प्रार्थना करते हैं।

श्री माहेश्वरी टाईम्स
परिवार

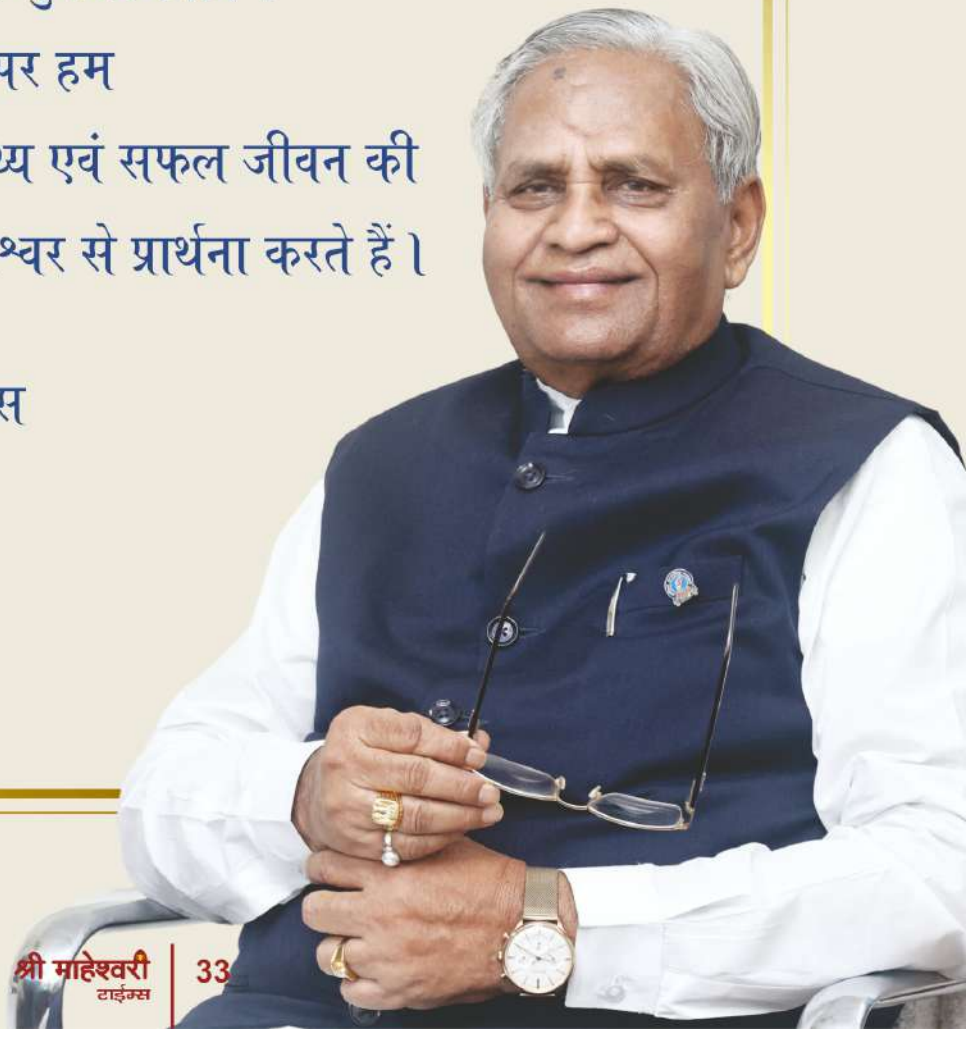

आयुर्वेद में शतावरी को एक ऐसी जड़ी बूटी कहा गया है, जो शरीर को आंतरिक रूप से स्वस्थ बनाकर यौन संबंधी समस्या दूर करती है। वास्तव में इसका उपयोग यहीं तक सीमित नहीं है, यह मधुमेह व हृदय रोग जैसी बीमारियों में भी चमत्कारिक सिद्ध हो सकती है।

स्वस्थ देह की सौगात देती शतावरी

मधुमेह के लिए फायदेमंद

मधुमेह से पीड़ित लोगो के लिए शतावरी बहुत उपयोगी मानी जाती है। शतावरी में अच्छी मात्रा में विटामिन बी 6 होता है जो रक्त शर्करा को नियंत्रित कर सकता है। यह मधुमेह प्रकार दो के लक्षणो को कम करने में मदद करती है। इसके अलावा शतावरी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होता है। इन गुणों से इंसुलिन में सुधार देखा जाता है। मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए आप शतावरी का उपयोग कर सकते हैं।

पाचन की उत्प्रेरक

पाचन तंत्र के लिए शतावरी बहुत अच्छा माना जाता है उसी तरह जैसे दही का सेवन किया जाता है। शतावरी में दही की तरह प्रोबायोटिक गुण होता है जो पाचन स्वास्थ्य को स्वस्थ रखता है। शतावरी में मौजूद घटक भोजन के पोषक तत्व को अवशोषित करने में मदद करते हैं। इसके अलावा शतावरी में फाइबर मौजूद होता है जो कब्ज की समस्या को होने नहीं देता है। अगर आप पाचन तंत्र की समस्या से परेशान हैं तो शतावरी चूर्ण का उपयोग जरूर करें।

वजन कम करने में सहयोगी

अगर वजन कम करना चाहते है तो शतावरी का उपयोग कर सकते है। कुछ शोध से पता चलता है कि शतावरी वजन कम करने में फायदेमंद होती है। शतावरी में अच्छी मात्रा में फाइबर होता है जो चर्बी को कम करता है और वजन को बढ़ने नहीं देता है। फाइबर से जल्दी भूख नहीं लगती है क्योंकि अधिक भूख लगने पर अधिक भोजन करते है और मोटापे का शिकार हो जाते है। इसलिए वजन को नियंत्रित करने के लिए शतावरी का उपयोग जरूर करें।

हृदय की भी मित्र

हमारे शरीर का पहला महत्वपूर्ण अंग हृदय है, इसलिए अपने हृदय का ध्यान रखना बहुत जरुरी होता है। हृदय के स्वास्थ्य को स्वस्थ रखने के लिए शतावरी बहुत उपयोगी होता है। इसमें कई तरह के औषधीय गुण मौजूद है जो होमोसिस्टीन स्तर को कम करने में मदद करते है। होमोसिस्टीन एक अमीनो एसिड होता है जो हृदय रोग को बढ़ाता है। इसके अलावा स्ट्रोक की समस्या को बढ़ा सकता है। इसलिए शतावरी का उपयोग करना चाहिए, ताकि हृदय रोग की समस्या को कम कर सकें।

यौन रोगों में रामबाण

वीर्य की कमी की समस्या में 5-10 ग्राम शतावरी को घी के साथ रोज सेवन करना चाहिए। इससे वीर्य की वृद्धि होती है। स्वप्न दोष को ठीक करने के लिए ताजी शतावर की जड़ का चूर्ण बना लें। इसे 250 ग्राम तथा 250 ग्राम मिश्री को मिलाकर कूट-पीस लें। इस 6-11 ग्राम चूर्ण को, 250 मिली दूध के साथ सुबह-शाम लें। इससे स्वप्न दोष दूर होता है, और शरीर स्वस्थ रहता है। शतावर चूर्ण का पूरा लाभ तभी मिलता है जब चूर्ण को सही तरह से बनाया जाय और सही तरह से इसका सेवन किया जाय।

नोटः कोई भी प्रयोग चिकित्सक के परामर्शानुसार ही करें। किसी भी प्रकार की हानि के लिये श्री माहेश्वरी टाईम्स जिम्मेदार नहीं है।

सूर्य सभी ग्रहों का राजा है और माणिक्य सूर्य ग्रह का रत्न। अतः जब सूर्य जन्मकुण्डली में किसी भी कारण से कमजोर हो तो माणिक्य धारण करने की ज्योतिष शास्त्र सलाह देते हैं। वैसे फिर भी योग्य ज्योतिष विद्वान के मार्गदर्शन व परामर्श के अनुसार ही इसे धारण करना चाहिये।

आमूलचूल परिवर्तन कर सकता है माणिक्य

भारतीय ही नहीं वरन समस्त ज्योतिष पद्धतियों में सूर्य ग्रह को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। पाश्चात्य ज्योतिषियों का इसे अधिक महत्व देने का कारण इसी के द्वारा समस्त ग्रहों का प्रकाशित होना कहा है, तो भारतीय विद्वानों ने एक शब्द मात्र ''ग्रहों का राजा'' कहकर इसे सर्वश्रेष्ठ व सबसे प्रभावी सिद्ध कर दिया है। यही कारण है कि सूर्य ग्रह की तरह इस ग्रह का रत्न ''माणिक्य'' धारण करने पर चमत्कारिक प्रभाव मिलता है। सूर्य जब जन्मकुण्डली में मेषादि बारह राशियों में से किसी में स्थित हो और नवांश कुण्डली में यह नीच राशि या शत्रु राशि गत, शत्रु नवांश में, बलहीन होकर स्थित हो, तो सूर्य ग्रह से सम्बन्धित श्रेष्ठ फल नहीं मिलते। ऐसी स्थिति में माणिक्य धारण करना श्रेष्ठ होता है। यह समस्त बारह राशियों में सूर्य की स्थिति में भी शुभफल देता है।

किन राशियों में क्या है फल?

● **मेष** - जठराग्नि, लू लगना गर्मी से होने वाले रोग, नेत्र रोग, हृदयरोग, हड्डी संबंधी रोगों में लाभ प्रदान करने के साथ ही उच्चशिक्षा में सफलता, विद्युत संबंधी कार्यक्षेत्र, उच्चशिक्षा में व्याख्याता, सेल्समेनशिप, एजेन्सी व्यापार, प्रशासनिक कार्यों में सफलता प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता, राज्यसत्ता की प्राप्ति, उच्चपद की प्राप्ति, इत्यादि में माणिक्य लाभप्रद होता है।

● **वृष** - त्रिदोष से उत्पन्न रोगों में लाभ, संस्कृति एवं कलाजगत से जुड़े सभी कार्य, कृषिभूमि एवं इससे जुड़े सभी कार्य, बैंक, बीमा और वित्त संबंधी कार्य, जिल्दकारी एवं प्रिंटिग से जुड़े कार्य, कलाकारों एवं चिकित्सा जगत से जुड़े सभी प्रकार के व्यक्तियों को माणिक्य रत्नधारण करना लाभप्रद होता है।

● **मिथुन** - श्वासरोग, दमा से लाभ डाकविभाग, कोरियर सर्विस, रेल्वे में कार्यरत सभी स्तर के कर्मचारी, पत्रकारिता से जुड़े लोग, फोटोग्राफी एवं वीडियो शूटिंग से जुड़े कार्य, कम्प्यूटर क्षेत्र, विज्ञापन एजेन्सी, अखबार विक्रेता, उच्च लेखापाल, सी.ए., आइ.सी.डब्ल्यू.ए., सी.एस., एम.बी.ए में अध्ययनरत विद्यार्थी, सम्पादन से जुड़े लोग आदि को लाभ प्राप्त होता है।

● **कर्क** - भोजन में अरूचि होना वात (वायु) संबंधी रोग, मनोविकार (टेंशन, डिप्रेशन), कमजोर मस्तिष्क, शोधार्थी पानी से बनने वाले उत्पाद, अभिनय एवं रंगमंच से जुड़े सभी कलाकार, कपड़ों के उत्पादक एवं विक्रेता, पुस्तकों के लेखक, प्रकाशक विक्रेता, होटल व्यवसाय से जुड़े लोग, नर्सिंग कार्यों से जुड़े लोगों को यह रत्न धारण लाभप्रदान करता है।

● **सिंह** - प्रत्येक कार्य में सफलता शासकीय सेवारत कर्मचारियों को पदोन्नति, उनकी वेतनवृद्धि, उच्चपदों की प्राप्ति, शासन से सम्मान, उच्चाधिकारियों से मधुर संबंध बनाना, विश्वविद्यालयों में उच्च पदासीन अधिकारी, संस्था एवं अकादमियों के निदेशक आदि को यह लाभप्रद होता है।

● **कन्या** - किराना व्यापार में सफलता, खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं विक्रयकर्ता, सब्जी एवं फल व्यवसायी, वनस्पति और औषधि विक्रेता, फूल व्यवसायी, चित्रकार, साईन बोर्ड एवं फ्लैक्स बनाने वाले, वाणिज्य एवं प्रबंधन विषय में अध्ययनरत विद्यार्थी, शिक्षण संस्थान, शिक्षा निदेशक, बैंक एवं बीमा संबंधी परीक्षा इत्यादि क्षेत्रों में माणिक्य रत्न लाभ करता है।

● **तुला** - बुद्धि द्वारा श्रम से लाभ, निर्णयन क्षमता, मजबूत होना, शरीर का संतुलन ठीक रहना, संगीत क्षेत्र से जुड़े सभी प्रकार के लोग, कलाकृतियों का निर्माण, घर दुकान एवं शोरूम की सजावट का कार्य, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों एवं दलों के प्रमुखों की उन्नति इत्यादि क्षेत्र एवं संबंधित लोगों को माणिक्य रत्न लाभ प्रदान करता है।

● **वृश्चिक** - लोहा, तिल्ली, संग्रहणी और पाण्डुरोग में लाभ, दवाउपकरणों के निर्माता और विक्रेता, सर्जन, दंतरोग विशेषज्ञ, पुलिस के खुफिया विभाग में कार्यरत कर्मचारी, अग्नि और विद्युत विभाग के कर्मचारी, विद्युत उपकरणों के निर्माता और विक्रेता इत्यादि क्षेत्रों के लिये लाभप्रद होता है।

● **धनु** - पैर एवं कमर में चोट लगने से बचाव तथा आंत संबंधी रोगों में लाभ, क्रिकेट, फुटबाल, बेडमिंटन इत्यादि प्रकार के खेलों के खिलाड़ी, शिक्षा विभाग एवं इससे जुड़े सभी संस्थान एवं प्रमुख, संस्कृतभाषा एवं इससे जुड़े सभी लोग धार्मिक एवं संस्कृति विभाग के नेता, अधिकारी, आयुक्त और कर्मचारी, वेधशाला में कार्यरत कर्मचारी अधिकारी, कर्मकाण्डकर्ता, खगोलशास्त्री, धार्मिक साहित्य के प्रकाशक और विक्रेता आदि को लाभप्रदान करता है।

● **मकर** - पेट संबंधी बीमारियों में लाभ, स्नायुविकार, भोजन में अरूचि, भूमि के लेनदेन संबंधी कार्य, शोधकर्ता, ग्रंथों एवं पुस्तकों के लेखक, प्रकाशक, विक्रेता, ठेकेदारी से संबंधित सभी कार्यों को करने वाले प्रत्येक क्षेत्र के डिजाइनर, इन्टरप्राइजेस में कार्यरत लोगों को यह रत्न लाभ करता है।

● **कुंभ** - क्षयरोग, हृदयरोग इन्फ्लूएंजा तथा कफसंबंधी रोगों में लाभ, गायन, वादन एवं नृत्य से जुड़े कलाकार, संगीत क्षेत्र से जुड़े लोग, वाद्ययंत्रों के निर्माता, लकड़ी का कार्य करने वाले कारीगर, वनविभाग के मंत्री, अफसर तथा कर्मचारी, आरामशीन संचालक, पेट्रोलियम पदार्थों का कार्य करने वाले लोग, उत्खनन कार्य में लगे सभी लोगों को यह रत्न धारण करना लाभप्रद होता है।

● **मीन** - शीत संबंधी रोग, सर्दी जुकाम में लाभ, जल से होने वाली सभी बीमारियों में लाभ, नौ सेना से जुड़े सभी लोग, चित्रकार, रंगाई पुताई करने वाले लोग, अकाउंटेंट, ग्रंथपाल, उपन्यासकार, संपादक-प्रकाशक एजेंसी संबंधी कार्य करने वाले समस्त लोगों को यह रत्न धारण करना लाभप्रद होता है।

कब और कैसे करें इसे धारण

माणिक्य रत्न को खरीदने, बनवाने, लाने और धारण करने का कार्य कृतिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, उत्तराषाढा, श्रवण, घनिष्ठा एवं पूर्वा भाद्रपद नक्षत्रों में करें। पूर्णशुद्ध माणिक्यरत्न को उपर्युक्त में से किसी भी एक नक्षत्र में खरीदकर सर्वप्रथम उसे शुद्धजल अथवा कच्चे दूध से अभिषेक करके पूजन वाले स्थान पर रखें। सात दिन तक पूर्व दिशा में मुख करके 21 बार प्रतिदिन ''ॐ घृणिः सूर्याय नमः।'' इस मंत्र का जप करें। इसके बाद उपर्युक्त नक्षत्रों में ही रवि, सोम, मंगल, गुरू इन वारों को लाभ शुभ के चौघडिये में शुभ संकल्पित होकर दाएं हाथ की तीसरी अंगुली में स्वर्ण, ताम्र अथवा पंचधातु या त्रिधातु में बना हुआ रत्न धारण करे।

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी मुंबई

गुरु पूर्णिमा

बदलते स्वरूप में राह जिंदगी की

सनातन धर्म और सनातनी वैदिक जीवन शैली में गुरु सर्वोच्च स्थान पर है।

'गुरु गोविंद दोनों खेडे का के लागू पाँव'

ईश्वर तुल्य दर्जा शुरु को प्रदान किया गया। प्रजा के किये राजा से बढ़कर गुरु और राजा के लिये राज्य से बढ़कर गुरु सदैव रहे। हिंदु और इस्लामिक संस्कृति के मेल ने मध्ययुग में गुरु भक्ति को चरम पर पहुंचा दिया।

''गुरु अमृत है जगत में, बाकी सब विषवेल''

जीव को ब्रह्म तक पहुंचाने का मार्ग गुरु बने भक्ति काल में। गुरु दायित्व ब्राह्मणों को देकर वर्णाश्रम व्यवस्था ने गुरु परिवार की सारी जवाबदारी उठाने का जो संकल्प लिया वह आज तक आंशिक रूप में ही परंतु प्रचलित है। ज्ञान व्यक्ति की पहचान है और वह गुरु से प्राप्त होता है। ज्ञान आज भी व्यक्ति के लिये आवश्यक है परंतु गुरु परंपरा का स्वरूप परिवर्तित होता जा रहा है। महान सनातनी समाज व्यवस्था में जब तक गुरु परिवार के जीवन भर की जवाबदारी संपूर्ण समाज पर थी तब तक ज्ञान का, गुरुता का व्यावसायीकरण नहीं हुआ था। जीवन का निर्मल आनंद प्राप्त करने की प्रेरणा देता था। विगत बीस तीस वर्षों में हमारे देश में 'धर्मगुरुओं' का जो स्वरूप उभर कर आया है, वह भी गुरु परम्परा से बहुत अलग है। मायामोह से मुक्त करवाने वाले गुरु मायामोह में बुरी तरह निर्लिप्त नजर आ रहे हैं। अतः युवा वर्ग का इस गुरु प्रथा से मोह मंत्र स्वाभाविक है

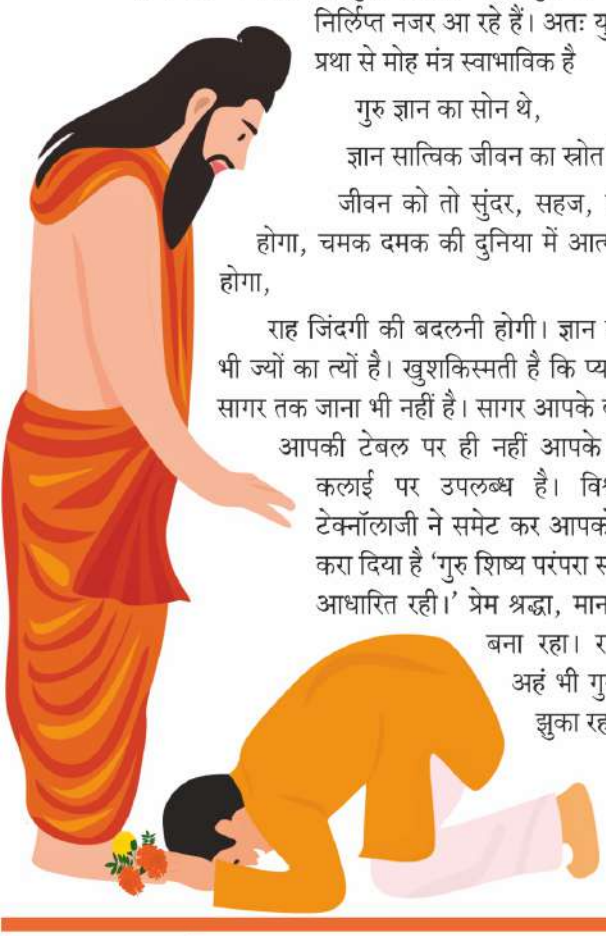

गुरु ज्ञान का सोन थे,

ज्ञान सात्विक जीवन का स्रोत है

जीवन को तो सुंदर, सहज, सात्विक बनाना ही होगा, चमक दमक की दुनिया में आत्मीय चैन ढूंढना ही होगा,

राह जिंदगी की बदलनी होगी। ज्ञान का सागर तो आज भी ज्यों का त्यों है। खुशकिस्मती है कि प्यास बुझाने के लिये सागर तक जाना भी नहीं है। सागर आपके दरवाजे पर ही नहीं; आपकी टेबल पर ही नहीं आपके लेप पर, आपकी कलाई पर उपलब्ध है। विश्व का पूरा ज्ञान टेक्नॉलाजी ने समेट कर आपको हर वक्त उपलब्ध करा दिया है 'गुरु शिष्य परंपरा सात्विक लेन देन पर आधारित रही।' प्रेम श्रद्धा, मान-सम्मान भी सहज बना रहा। राजपुत्रों का राजत्व अहं भी गुरु के मान में सदैव झुका रहा। मैकाले से प्रारंभ हुई भारतवर्ष की आधुनिक शिक्षा पद्धति और प्रारंभिक कालों में भी गुरु के प्रति सात्विक मान सम्मान चरण स्पर्श से लेकर ईश्वरतुल्य भक्ति तक बना रहा। विगत 30 वर्षों में शिक्षा के व्यवसायीकरण, पाठशाला के समांतर कोचिंग क्लासेस सिस्टम, प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड में छल कपट के नवीन कारोबार ने, एडमिशन प्राप्त करने व मानवीय जरुरत की राह ने, ज्ञान से अधिक शैक्षणिक सर्टिफिकेट की नौकरी प्राप्ति चाह में गुरु धर्म अधर्म के दरवाजे पर दस्तक देने लगा। गुरुता व्यावसायिकता के बोझ तले दबने लगी। ज्ञान के मार्ग में गुरु का पूर्णिमत्वः अमावशी हो गया।

भक्ति का मार्ग भी गुरु ज्ञान से प्राप्त होता था। गुरु का संतुलित सात्विक ग्रहस्थ जीवन भी भक्त के लिये आदर्श होता था, और मोक्ष प्राप्ति का द्वार होता था। गुरु अपने भक्ति से माया मोह के जाल से ऊपर उठाता है, जिंदगी की राह अब आपको अपने आप पकड़नी होगी। ज्ञान के समुद्र में डुबकी अब खुद लगानी होगी। गहरे पानी पैठ ज्ञान के मोती खुद निकालने होंगे। सोशल मीडिया पर अपने विषय से जुडे ग्रुप बनाइये। तकनीकी माध्यमों का सहारा लेकर विचार विमर्श कीजिये, तर्कों के आधार पर सच्चाई का शोध कीजिये. जैसे जीव और ब्रहम एकाकार है वैसे गुरु और बित्य एकाकार हो, ज्ञान की पिपासा को बढायें और अपना पानी आप ही भर लें, पानी के जलाशय आज भी जस तस हैं बिना विकृति के बिना व्यावसायिकता के, ज्ञान अमृत से, अपने जीवन को, अपने आप अमर करें।

माहेश्वरी समाज के मूल संस्कारों और रीति रिवाजों से करायेगी पहचान

ऋषि मुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित

हमारे संस्कार हमारे रीति रिवाज़

जिसमें पाऐगें आप माहेश्वरी समाज में प्रचलित रीति-रिवाजों के साथ ही विवाह संस्कार, जन्म संस्कार, मृत्यु संस्कार तथा माहेश्वरी परम्पराओं के विशिष्ट पर्वो गणगौर, सातुड़ी तीज तथा ऋषि पंचमी पर केन्द्रीत विशिष्ट जानकारी।

विशेष छूट के साथ उपलब्ध Rs. 125/- Rs. 100/-

ऋषिमुनि प्रकाशन

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)

94250 91161, 91799-28991

rishimuniprakashan@gmail.com

*महिला संगठनों के लिए विशेष छूट के साथ उपलब्ध

amazon पर उपलब्ध

गरूड़ एक पक्षी है, जिसे पक्षियों का राजा कहा जाता है। यह सांपों का दुश्मन है और भगवान विष्णु का वाहन है। इसकी दृष्टि बहुत ही तेज होती है। इस मुद्रा में केवल अंगूठे आपस में जुड़े होते हैं जबकि हाथों की बाकी उंगलियां फैली रहती हैं, जिससे हथेलियां खुली रहती हैं। गरुड़ मुद्रा (ईगल सील) का अभ्यास शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है और वात (वायु) तत्व को संतुलित रखता है।

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

सकारात्मक ऊर्जा पैदा करती है

गरूड़ मुद्रा

कैसे करें : दोनों हाथों के अंगूठों को आपस में जकड़ लें और दाएं हाथ को बाएं हाथ के ऊपर रखते हुए हाथों को पेट के निचले भाग पर रखें (स्वाधिष्ठान चक्र पर)। 10 बार गहरी लम्बी श्वास लें और छोड़ें। फिर धीरे-धीरे अपने हाथों को ऊपर की ओर सरकाते हुए नाभि पर ले आएं (मणिपुर चक्र पर)। फिर 10 श्वास लें और छोड़ें। इसके बाद हाथों को थोड़ा और ऊपर सरकायें और हाथों को पेट के ऊपर वाले भाग (आमाशय यकृत) पर ले आयें। फिर 10 बार रेचक पूरक करें। अन्त में अपने हाथों को छाती पर ले आयें। बायां हाथ छाती पर रखें और दायां हाथ कन्धों की ओर करते हुए, उंगलियों को खोल कर फैलाएं। इस क्रिया में लगभग 4 मिनट लगेंगे। इसे दिन में तीन बार करें।

क्या है लाभ : इस मुद्रा से शरीर के सभी अंगों में रक्त संचार बढ़ता है। पेट के नीचे वाले भाग से लेकर छाती तक जितने भी अंग हैं, वे सक्रिय होते हैं। मणिपुर चक्र संतुलित होता है। शरीर के दाएं और बाएं अंग में प्राण शक्ति और ऊर्जा का सन्तुलन बनता है। महिलाओं में मासिक धर्म में होने वाली पीड़ा समाप्त होती है। मासिक धर्म की अनियमितता दूर होती है। स्वाधिष्ठान चक्र भी प्रभावित होता है। इससे पेट के रोग ठीक होते हैं। जब हम अपने हाथों की यह मुद्रा बनाकर नीचे से ऊपर तक हाथों को लेकर जाते हैं और साथ में श्वास-प्रश्वास की क्रिया भी करते हैं, तो हमारे हाथों के शक्ति केन्द्र एवं श्वासों की प्रक्रिया मिलकर उन सभी अंगों को स्वस्थ बनाती है। इससे आखों की रोशनी भी बढ़ती है।

विशेष - कृपया उच्च रक्तचाप वाले इस मुद्रा को न करें।

सही
जन्म कुण्डली
ही बता सकती है सही
भविष्य

ऋषि मुनि
वैदिक सॉल्युशन्स
90, विद्या नगर, साँवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.)
94250 91161 rishimuniprakashan@gmail.com

जन्म कुण्डली की सुक्ष्म गणनाओं के लिए विश्वसनीय नाम

भारत के प्रख्यात ज्योतिष विदुषियों द्वारा प्रमाणित सॉफ्टवेयर द्वारा ज्योतिष पत्रिकाओं में अग्रणी

१२ ग्रहों की स्थिति, उनके विवरण, षोड्ष वर्ग, सुदर्शन चक्र, मैत्री चक्र, षडबल एवं भावबल, प्रस्तारक अष्टक वर्ग सारिणी, अष्टक वर्ग सारिणी, विशोंतरी दशा, महादशा, प्रत्यंतर दशा एवं सुक्ष्म दशा सहित, कृष्णमूर्ति पद्धति, ग्रहों के उप स्वामी, ग्रहों की स्थिति लग्नानुसार, वर्षफल, वैदिक ग्रंथों के अनुसार नक्षत्र फल, साढ़े साती विवरण एवं उनके उपाय, रत्न विचार एवं समस्याओं पर उपचार, योग संग्रह, कुण्डली योग का विवरण, परिणाम सहित कुण्डली मिलान।

सनातनधर्मियों को देखकर बहुत गर्व और खुशी महसूस होती है कि उनका रुझान धर्म की तरफ बढ़ रहा है। आज भारत के हर धर्मस्थल पर हिंदू अनुयायियों का आना-जाना इतना बढ़ गया है कि वहां ईश्वर दर्शन से लेकर रहने-खाने-पीने तक में भक्तों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन फिर भी श्रद्धा थमती नहीं है। इनके पर्यटन स्थल भी बना देने से यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या और भी बढ़ जाती है। इसके पीछे यही सोच है कि लोग किसी भी तरह वहाँ आऐंगे तो आस्था में वृद्धि ही होगी। इसके साथ इससे यह भी देखा गया है कि वे धार्मिक स्थल पर्यटन स्थल भी बन गए हैं जिससे ईश्वर दर्शन भी व्यापार सा बनता जा रहा है। वी.आई.पी. एंट्री पास से ईश्वर के दर्शन करो अन्यथा घंटों धर्मदर्शन की पंक्तियों में खड़े रहो। जिनकी जेब जितनी भरी हो ईश्वर दर्शन उतने ही आसान। सिर्फ मनोरंजन के उद्देश्य से आनेवाले पर्यटकों के कारण भक्तों को प्रभुदर्शन आसानी से नहीं हो पाते हैं। ऐसे में यह भी विचार उठने लगे हैं कि पर्यटन के लिए तो भारत में अनगिनत स्थान है, अगर धार्मिक स्थलों को आस्था का केंद्र ही रहने दें तो कम से कम भक्त तो अपने ईश्वर के दर्शन आसानी से कर पाएंगे, और इससे इनकी पवित्रता भी कायम रहेगी। अतः इस विषय पर चिंतन समसायिक हो गया है कि धार्मिक स्थल को पर्यटन स्थल बनाना कितना उचित/अनुचित? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

धार्मिक स्थल को पर्यटन स्थल बनाना कितना उचित /अनुचित ?

भेड़चाल का हिस्सा न बनें, पर्यटन-स्थल सुनिश्चित करें

हमारे धर्मस्थल ईश्वर के प्रति हमारी आस्था और विश्वास का प्रतीक होते हैं। धर्मस्थलों की यात्रा हमारे तन और मन को असीम शांति और संतोष प्रदान करती है। ईश्वर दर्शन के लिए उम्र का कोई बंधन नहीं होता, आज हमारी नई पीढ़ी भी धर्मस्थलों की तरफ रुख करने लगी है। कोई भी भक्त अपने इष्ट देव के पावन स्थल पर जाने के लिए स्वतंत्र है पर अगर कोई सिर्फ लोक दिखावे के लिए अथवा पर्यटन के उद्देश्य से तीर्थ यात्रा का कार्यक्रम बनाएं तो एक बार अवश्य विचार करें कि तीर्थ स्थलों पर भक्तगणों के साथ-साथ पर्यटकों की अनावश्यक भीड़ के कारण तीर्थस्थलों पर ईश्वर दर्शन महंगे ही नहीं कष्टकारी भी हो जाते हैं। तीर्थ स्थलों पर सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाएं भी भारी भीड़ के कारण नजर नहीं आती है। दर्शनार्थियों के लिए ईश्वर के दर्शन कराने वाले बिचौलियों ने भी अपना कारोबार जमा लिया है। लंबी पंक्तियों के कारण बड़े-बुजुर्ग और दिव्यांग-अपाहिज भक्त तो तीर्थ स्थल जाने से घबराते हैं अथवा जाकर भी ईश्वर दर्शन का लाभ नहीं ले पाते हैं। साथ ही तीर्थ स्थलों के स्थायी निवासियों को भी प्रतिदिन अपनी दैनिक दिनचर्या में विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

भक्तों की श्रद्धा और आस्था तो ईश्वर के दर्शनमात्र से संतुष्ट होती है इसलिए धर्म स्थलों में भक्तों को ईश्वर-दर्शन में असुविधा नहीं होनी चाहिए। तीर्थ स्थल भक्तों के धार्मिक पर्यटन के लिए संरक्षित रहें। हमारे देश में पर्यटन के अनगिनत स्थल हैं तो तीर्थस्थल को पर्यटन स्थल नहीं तीर्थ स्थल ही रहने दिया जाए। पर्यटकों की थोड़ी-सी सूझबूझ और समझदारी से भक्त को भगवान से मिलना सुविधाजनक हो सकता है। लोक दिखावे के लिए भेड़चाल का हिस्सा न बने कि सभी तीर्थस्थल जा रहें हैं तो हमें भी चलना है। पर्यटन का कार्यक्रम बनने से पूर्व विचार करें कि हम मनोरंजन चाहते हैं अथवा आस्था, उसके बाद ही अपना पर्यटन-स्थल सुनिश्चित करें; पर्यटन स्थल अथवा धार्मिक स्थल।

❐ **सुमिता मूंधड़ा**, मालेगांव

धार्मिक स्थलों की पवित्रता जरूरी

धार्मिक स्थल यानि हमारे देवी-देवताओं के पवित्र पूजा स्थल। वहां हम इसलिये जाते हैं ताकि मन को शांति मिले और हमारी भावनाओं को भगवान तक पहुँचाया जा सके ना कि पर्यटन या हनीमून के लिए। धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनी रहे और किसी भी तरह की कोई गलत गतिविधि को वहाँ ना होने दें, यह हम सबकी जिम्मेदारी है। आजकल जो छिछोरापन और हुल्लड़बाजी हम धार्मिक स्थलों पर देख रहे है, यह वाकई समाज को सोचने पर मजबूर कर रही है। लड़कियों का और स्त्रियों का छोटे कपड़े पहनकर धार्मिक स्थलों पर जाना भी आज एक सामान्य बात हो गई है जबकि यह सब हिन्दू समाज की संस्कृति के लिए अच्छी बात नहीं है। समाज के सभी वर्गों से खासकर आज के युवाओं से हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हैं कि धार्मिक स्थलों को पवित्र ही रहने दें क्योंकि दुनिया में घूमने फिरने के लिए बहुत सारी जगह हैं। सिर्फ दिखावे के लिए जब कि दिल में धार्मिक भावना ही ना हो तो क्यों धार्मिक स्थलों को पिकनिक की जगह बनाकर असल में जो भगवान के दर्शन और शांति के लिए आये हैं, उनकी भावनाओं को ठेस पंहुचाई जाये। भगवान के प्रति भाव हो और सही में प्रभु भक्ति करना हो तो मंदिर आने में कोई दिक्कत नहीं। बाकी सिर्फ दिखावा और परिवार और समाज के बड़प्पन के लिए धार्मिक स्थलों पर भीड़ ना ही करो तो भी आप बहुत पुण्य का कार्य कर सकते हो।

❐ **सपना श्यामसुंदर सारडा**, सुरेंद्रनगर (गुजरात)

पूर्णतः अनुचित है पर्यटन स्थल बनाना

एक धर्मस्थल के नाते वह जगह वैसे ही बड़ी संख्या में श्रद्धालयों के आने की है, किसी भी धर्मस्थल का सरकारों द्वारा पर्यटक स्थल घोषित करना उस जगह की पवित्रता व श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने के समान है। वर्तमान में हिन्दु तीर्थस्थल घोषित रूप से मांस, मदिरा, नशे की वस्तुओं व अनैतिक गतिविधियों से बचे हुए हैं लेकिन यह स्थिति तब तक ही है, जब तक वह जगह धर्मस्थल है। जैसे ही वह धर्मस्थल पर्यटक स्थल के रूप में घोषित हो जाता है, आने वालों की आवक तो बहुत बढ़ जायेगी। काफी हद तक वहां का इन्फ्रास्ट्रक्चर भी प्रभावित होगा। यह स्वाभाविक है कि धर्मस्थल के रूप में वहां जो भी पर्यटक आयेगा, उसके लिये मोज-मस्ती व मनोरंजन की भावनाओं से मन भरा होगा और श्रद्धा की भावना काफी कमजोर पड़ जायेगी। जहां-जहां धर्मस्थलों को पर्यटक स्थल घोषित किया गया है, वहां के हालात - पवित्रता एवं तीर्थ की शुचिता की स्थिति बद से बदतर ही हुई है। सरकारों को चाहिए कि वह उस धर्मस्थल को पर्यटन स्थल में बदलने की बजाय कानूनन एक धर्मस्थल के रूप में संरक्षित करें।

❐ **सुरेन्द्र बजाज**, जयपुर

पर्यटन स्थल बनाना अनुचित

धार्मिक स्थल को पर्यटन स्थल बनाना बिल्कुल अनुचित है, यह सोचकर कि श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी होगी और धार्मिक स्थल की आय में वृद्धि होगी। मेरे विचार से बात जहाँ श्रद्धा की आती है, वहाँ सुख-सुविधाएँ कोई मायने नहीं रखती। भक्तों को ईश्वर दर्शन जाने के लिये सुख-सुविधाएँ नहीं चाहिए। कहते भी हैं कि ईश्वर के दर्शन यों ही नहीं मिलते, पहले बद्रीनाथ यात्रा कितनी कठिन होती थी तब भी श्रद्धालु वहाँ दर्शन को जाते ही थे। धार्मिक स्थल में विकास हो, पर उतना जितना सुलभ यात्रा के लिये आवश्यक है। धार्मिक स्थल के पर्यटक स्थल बनते ही वहाँ सुख-सुविधाओं के साथ अनुचित व्यवस्थाएँ भी होगी और धार्मिक स्थलों पर साफ-सफाई नहीं रह पाती। धार्मिक स्थल के पर्यटक स्थल बनते ही वहाँ की धर्मशालाएँ छोटे बाजार, होटलों और सुपर मार्केट की जगह ले लेते हैं। जब तक वे धार्मिक स्थल रहते हैं, तब तक वहाँ सब सामान व सेवाएँ उचित दाम पर उपलब्ध होते हैं लेकिन आधुनिकता की सुख-सुविधाओं के दाम आसमान पर होते हैं। तब धार्मिक स्थल की यात्रा सच में यात्रा नहीं रह जाती तब वह पिकनिक स्पॉट बन जाती है। इसलिये धार्मिक स्थलों को धार्मिक और पारम्परिक शुद्धता शान्तिमय ही रहने दिया जाए। ताकि वहाँ आने वाले भक्तों को परम शान्ति का सुख मिल सके।

❐ **संगीता अजय दरक माहेश्वरी**, मनासा

कुछ हद तक यह उचित

धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थल बनाना उचित होगा अगर हमारी संस्कृति और सभ्यता का निरीह प्रदर्शन ना होवे तो क्योंकि आजकल नई पीढ़ी का रुझान धार्मिक स्थलों की ओर कम होता जा रहा है। ऐसे में धार्मिक स्थल और पर्यटन स्थल एक ही जगह हों तो पर्यटन और नेचर का मजा लेने के बाद धार्मिक स्थलों में जाकर आस्था के साथ संस्कृति की पहचान करके विश्राम करने से जो ताजगी महसूस होगी उससे नई पीढ़ी में धर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। वैसे भारत में उत्तराखंड, चारों धाम, अमरनाथ ऐसे कई क्षेत्र है जिन्हें हमने धार्मिक पर्यटन स्थल का दर्जा दिया हुआ है। क्योंकि वहां सिर्फ बुजुर्ग या धर्म प्रेमी ही नहीं बल्कि सभी उम्र के लोग जाते हैं। धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थल बनाने के कई फायदे हैं। इससे लोग जिस क्षेत्र में जाएंगे उसका इतिहास कल्चर मालूम होगा। लोगों की आवाजाही बढ़ेगी तो क्षेत्र का विकास होगा। क्षेत्र के लोगों को रोजगार मिलेगा। धर्म के प्रति रुचि/आस्था बढ़ेगी तथा विदेशी मुद्रा मिलेगी आदि-आदि।

❐ **मीना कलंत्री**, वसई (मुंबई)

अनुचित ही नही गलत

धार्मिक स्थल को पर्यटन स्थल बनाना अनुचित तो क्या गलत ही है। पर्यटन स्थल बनाने से भक्तो से अधिक दर्शको की भीड रहती है। आज हम देख रहे है कि धार्मिक स्थलों पर दर्शन की वी आई पी व्यवस्था रहती है, टिकट लो दर्शन करो। इसका कारण अनियंत्रित भीड है। धार्मिक स्थलो को धार्मिक ही रहने देना चाहिए,भक्तो की आस्था, श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड नही करना चाहिए। हमारे देश मे पर्यटन स्थलो की कमी नही है,फिर धार्मिक स्थल को पर्यटन स्थल बनाने का क्या औचित्य? यहां व्यक्ति को अपनी सोच बदलना होगी। तीर्थ दर्शन और पर्यटन का अंतर समझना होगा। धार्मिक स्थल को पर्यटन स्थल बनाने के लिए उस राज्य की सरकारे और प्रशासन भी दोषी है। मात्र इसे अपनी आय का जरिया बना लिया है, यह अनुचित है।धार्मिक स्थल के महत्व को सुरक्षित रखने के लिए सरकार को पुख्ता नियम बनाना जरूरी है। कई धार्मिक तीर्थ स्थलो पर तो बहुत से लोग सैर-सपाटे के लिए या छुट्टिया बिताने के लिए जाते है, प्रभु दर्शन तो मात्र बहाना है। धार्मिक स्थल पर्यटन स्थल न बनें, इसके लिए प्रशासन की सक्रियता अपेक्षित है, तभी हम अपनी संस्कृति की धरोहर को सहेज पायेगे। पर्यटन स्थलो की कमी नही,धार्मिक स्थल को धार्मिक ही रहने दो।

❐ **अयोध्या चौधरी**, अलीराजपुर मध्यप्रदेश

धर्म स्थलों को धर्म स्थल ही रहने दें

धर्म स्थल जहाँ धर्म होता है, वहाँ आंतरिक शुद्धि होती है, धर्म का मतलब किसी भी जीव प्राणी को कष्ट नहीं पहुँचाना है। अगर धर्मस्थल पर्यटन स्थल बन जाएँगे तो यह भावना ही खत्म हो जाएगी। धर्मस्थलों को पर्यटन स्थल बनाना अनुचित ही नहीं बल्कि धर्मस्थलों का अपमान है। धर्मस्थलों को आधुनिकता का जामा पहनाते ही उनका महत्व कम हो जाता है। धर्म स्थल हमारी आस्था के केंद्र हैं, जहाँ अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा व भक्ति होती है। पर्यटक स्थल बनते ही धर्म स्थलों का वातावरण न सिर्फ दूषित होता है बल्कि वहाँ की पवित्रता भी भंग होती है। नई पीढ़ी को धर्म स्थलों से जोड़ने के लिए जागृत करना जरूरी है, अपनी संस्कृति अपना आध्यात्म सिखाना जरूरी है, तो वे खुद-ब-खुद धर्मस्थलों की तरफ मुड़ जाएँगे। हमारे ज्यादातर धर्म स्थल पहाड़ों पर हैं, जिनका अर्थ है कि हमें अपना तन-मन प्रभु को समर्पित करके उनके दर्शन करने जाना है। वहाँ प्रकृति से छेड़छाड़ करके हमने पहले ही अपने लिए विनाश के द्वार खोल लिए हैं। उत्तराखंड की त्रासदी इसी का परिणाम है। धर्मस्थल भोग की नहीं त्याग की संस्कृति है। पर्यटन में इंसान मुक्त नहीं और मोह में फँसता है जबकि धर्मस्थल में इंसान अपने विकार अपने इष्ट को समर्पित कर देता है। धर्मस्थल को धर्मस्थल रखकर उनकी गरिमा बनाए रखनी चाहिए।

❐ **विनीता काबरा**, जयपुर

खुश रहें - खुश रखें

जब मन अशांत हो जाए तो मंत्रों का जप करते हुए मेडिटेशन करें

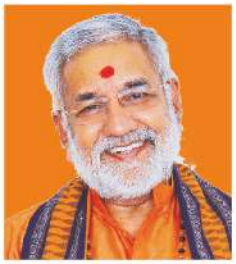

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

कहानी - शुकदेव जी भागवत कथा सुना रहे थे, प्रमुख श्रोता थे राजा परीक्षित। राजा परीक्षित ने एक प्रश्न पूछा- 'कलियुग में लोग इतने बेचैन क्यों रहते हैं? लोगों का मन शांत क्यों नहीं रहता है? हर व्यक्ति चाहता है, मेरी इच्छाएं पूरी हो जाएं।'

शुकदेव जी ने कहा- 'यही बात एक दिन पृथ्वी ने भगवान से पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये राजा जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी ऊपर नहीं ले जा सका है।'

शुकदेव ने आगे कहा- 'पृथ्वी ने ये बातें इसलिए कहीं थीं, क्योंकि धरती पर जो धन-संपत्ति बनती है, सारे झगड़े उसी के लिए हैं। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, इसके लिए सभी लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सभी यहीं छूट जाएगा। राजा नहुष, राजा भरत, शांतनु, रावण, हिरण्याक्ष, तारकासुर ये सभी बड़े-बड़े शक्तिशाली राजा थे, लेकिन खाली हाथ ही गए। धरती को कोई लेकर नहीं गया। जो लोग ये घोषणा करते थे कि ये धन-संपत्ति, जमीन-जायदाद मेरी है, वह भी ये दुनिया छोड़ कर गए हैं।'

परीक्षित ने पूछा- 'कलियुग में इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? रहना तो इसी दुनिया में है और ये सब काम भी करना हैं। गलत काम बढ़ते जा रहे हैं। परिवारों की शांति चली गई है। रिश्तों का मतलब बदल गया है। ऐसे समय में लोग शांति से कैसे रह सकते हैं।'

शुकदेवजी कहते हैं- 'जो लोग भगवान का नाम जपते हैं, भजन, पूजा-पाठ और ध्यान करते हैं, उन्हें शांति मिलती है। अपने इष्टदेव के नामों का जप करें। मंत्र जप करने से शरीर में जो परिवर्तन होंगे, वे हमें शांत करेंगे।'

सीख - शुकदेवजी ने शांति पाने का जो तरीका बताया है, उसे योग कहा जाता है। इसलिए जब हमारे आसपास का वातावरण अशांत हो, हमें नकारात्मकता महसूस होने लगे तो अपने इष्टदेव के मंत्रों का जप करें। हर रोज योग और मेडिटेशन करें। ऐसा करने से विपरीत परिस्थितियों में भी हम शांत रहेंगे।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/- डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/- डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/- डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

तिरंगा पेड़ा

आज हम बिना गैस बिना और बिना ओवन का तिरंगा पेड़ा बनाना सीखेंगे।

सामग्रीः एक कप चीनी, एक कप डेडिकेटड कोकोनट, एक कप मिल्क पाउडर,10 नग साबूत काजू, दो बूंद केवड़ा एसेंस, बाइंडिंग के लिए आवश्यकतानुसार मलाई या फिर दूध।

विधिः मिक्सर जार में काजू और चीनी को एक साथ पीस ले। फिर एक बॉउल में यह पीसी चीनी लेकर उसमें मिल्क पाउडर और डेसीकेटेड कोकोनोट मिक्स करिए। उसके बाद एक-एक चम्मच से क्रीम डालीये और आटे की तरह गूंथ लें। जब उसका अच्छे से डो बन जाए तब उसके तीन भाग करिए। एक भाग में हरा कलर और दूसरे भाग में केसरिया कलर डालकर मिक्स करें। तीसरा भाग सफेद ही रहने दे।

अब इन तीनों भाग के एक समान छोटी-छोटी गोलियां बना लें। फिर तीनों कलर की एक-एक गोली हाथ में लेकर हल्के हाथ से मिक्स करके उसका पेड़ा बनाया। (पेड़ों पर स्टॅप लगाने के लिए आपके पास अगर स्टॅप ना हो तो, आपके घर में कोई भी छोटी बिसलेरी की बोतल की बॉटम या फिर कोई कांच के गिलास की डिजाइनर बॉटम लेकर उस से आप पेड़ों के ऊपर स्टॅप लगा सकते हैं।)

अपना यह तिरंगा पेड़ा तैयार हो गया।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

अकड़ किस बात की प्यारे...

खम्मा घणी सा हुकम आजकल जिणने देखो अकड़ में मरया जा रियाँ है हालांकि या समझ नहीं आवै कि आखिर वाणि अकड़ रो कारण कांई है? कोई चार पैसा कमाले तो लोग यूँ अकड़ ने चाले ज्यूँ उणसुं पेहला कोई नही कमाया। कठेई छोटी सी पोस्ट आ जावै वे यूँ चाले ज्यूँ राजा छत्र धर ने चाले। कीन्हेई धन रो तो किन्हेंई पद रो नशों। कोई दो किताबा लिख दे तो यूँ व्यवहार करे ज्यूँ सरस्वती रो अवतार व्हे। कोई जिम जावे तो आपरे पैक्स रो गरूर करै। हुकम इण लोगों री यह उपलब्धियां नहीं बीमारियां है जिन्हें वे ढो रियाँ हैं। ईश्वर और कीन्हेई दण्ड दे या न दे, अहंकारी ने अवश्य देवे। सहस्त्रबाहु और राजा रावण जेड़ा राजाओं रा अहंकार भी नहीं रियाँ। जीवन नश्वर है हुक्म, इण छोटे से जीवण में मोटो अहंकार काम रो कोनी। आज इन्हेंई विषय पर बात करां..

आप अक्सर सुणता हुवोला कि अमुक व्यक्ति बहुत अकड़ वाळो है..पर कांई कदेई आप सोचियों है कि यह अकड़ कांई बला है?

'अकड़' सुणते ही दिमाग में एक ठसक भरी छवि उभर जावें। यों शब्द जितो छोटो है, ईनो प्रभाव उतो ही घातक है। अहंकार आत्मा रो कैंसर है हुकम।

हुकम अकड़ एक एड़ी अनोखी बिमारी है जो बिना किन्ही डॉक्टरी प्रमाण रे ही फैल जावें... ओ ऐड़ो जहर है, जो न सिर्फ व्यक्तित्व रो नाश करे बल्कि कई बार रिश्तों में भी बड़ी बड़ी दरारा डाल देवें।

अकड़ रो सबसूं बड़ों लक्षण या है कि इणसूं पीड़ित मरीज ने लागे कि वो ही सबसूं होशियार है। चाहे वो कोई भी काम में हो, उन्हें या ही लागे कि उणसूँ बढ़िया काम कोई दूसरों कर ही नहीं सके। अगर कोई उणसू बढ़िया कर दे, तो या वाणि प्रतिष्ठा पर एक चोट रे समान हूँ जावें। इण बीमारी रे मरीजों रो एक और खास लक्षण या है कि वे खुद ने दूसरों सूं ऊँचो समझे। अगर किन्ही पार्टी में जावें तो मानो वे वठे रा राजा हों, और बाकी सब ऊनि प्रजा। वे अपने सूं कमतर लोगा सूं बात करणों बिल्कुल पसन्द नहीं करें। अकड़ रा मरीज अक्सर खुद रे तर्क और विचारों ने सबसूं सही माने। वाणें सामने तर्क-वितर्क करण रो मतलब है कि आप आपरो समय बर्बाद कर रियाँ हो। वे खुद ने ज्ञान रो भंडार माने और दूसरों री सलाह ने तो कूड़ेदान में फेंक देवे। समझदार लोग केहवे कि 'अकड़ में इंसान खुद ने राजा समझे पर हकीकत में वो अपणे ही घमंड का गुलाम हुवें।'

अगर किन्हीं ने अकड़ सूं छुटकारो दिलाणों हुवे तो एक ही उपाय है - हकीकत रो आईना दिखाणों। इण गुब्बारे री इत्ती ही ताकत है कि एक पिन उनो नाश करदे। पर यो इतों आसान नहीं हुवे क्योंकि अकड़ रा मरीज हकीकत सूं कोसों दूर रेहवें। वाणें जब तक खुद सूं हकीकत रो सामनों नहीं हुवेला, जठे तक आपरी अकड़ सूं पिछो नहीं छुड़ा सकेंला।

हुकम, अकड़ अभिमान रों अदृश्य जाल है और अभिमान रो पतन निश्चित है।

इणसूं बचण रो एक ही तरीकों है खुद ने वास्तविकता रे आईने में देखणों और हमेशा सीखण वास्ते तैयार रेवणों। आखिरकार, जीवन में सबसूं बड़ी समझदारी या ही है खुद ने पहचाणनो और दूसरों ने समझणों।

हुकम गीतकार शैलेंद्र रो एक गीत याद आयो है कि..

तुम्हारे महल चौबारे यही रह जाएंगे प्यारे, अकड़ किस बात की प्यारे.. यहीं सब कुछ चुकाना है।।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- हर जिंदगी में चल रही यलगार आजकल,
  हर हाथ में दिखती है तलवार आजकल।
- जहन और दिल की पीर किसी से न कहना,
  ढूंढे नही पाओगे कोई मददगार आजकल ।
- पाकीज़ा मोहब्बत गुज़रे जमाने की बात है,
  हर तरफ है मोहब्बत का करोबार आजकल ।
- मोहब्बतों की राह में रूसवाईयों की खाई है,
  पर करता नही कोई भी खबरदार आजकल ।
- तुम राहत ए जाँ पर भी बराबर नज़र रखना,
  भटक जाते है राह में ये दिलदार आजकल।
- दुःख तकलीफ़ में अपने ही होते थे सहारा,
  अपनों ने ही लगाए है मन पे वार आजकल ।
- सहूलियात के फेर में सब कुछ ही बिक गया,
  इस दुनिया में हर फर्द है कर्जदार आजकल ।

कार्टून कौतुक

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह महीना मिश्रित फलदाई रहेगा। खर्च अधिक रहेगा। अपनी दिनचर्या की गलत आदतों के कारण आप स्वास्थ्य संबंधी परेशानी में भी पड़ सकते हैं। यद्यपि आकस्मिक रूप से धन लाभ भी होगा किंतु खर्च की अधिकता के कारण वह अलग से नहीं दिखेगा। व्यापारी वर्ग के लिए यह महीना उत्तम रहेगा। नौकरी पेशा जातकों के लिए यह महीना कठोर परिश्रम वाला रहेगा एवं नई-नई चुनौतियां मिलेगी। संबंधों एवं रोमांस की दृष्टि से यह महीना अत्यंत अनुकूल रहेगा।

वृषभ

वृषभ राशि के जातकों के लिए यह महीना बहुत सारी सौगातें लेकर आ रहा है। आर्थिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। कार्य क्षेत्र में नए कीर्तिमान कायम होंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। रुके हुए कम होंगे। बहुत लंबे समय से रूकी योजना क्रियान्वित हो सकेगी। दांपत्य जीवन में कुछ तनाव हो सकता है। अपने जीवन साथी को ठीक से समझने की कोशिश करें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुखद समाचार मिलेंगे, पर्यटन पर जाएंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों के लिए यह महीना कार्यक्षेत्र की दृष्टि से कुछ आश्चर्यजनक संकेत दे रहा है। कार्य क्षेत्र में कुछ आकस्मिकता रहेगी। कोई नवीन जिम्मेदारी अचानक मिल सकती है। दांपत्य जीवन में तनाव हो सकता है, जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है फिर भी आप इन समस्याओं से आसानी से उभर जाएंगे। आर्थिक रूप से यह महीना कुछ विशेष लाभदायक नहीं है। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिलेगा। रुके हुए कामों में भाग्य प्रबलता से साथ देगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह महीना आर्थिक दृष्टि से ठीक रहेगा। साहसिक निर्णय ले पाएंगे। भूमि भवन से संबंधित कार्य होंगे। धर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। इच्छित कार्यों में रुकावट भी होगी। मेहनत करने के पश्चात ही उनसे बाहर हो पाएंगे। घर के वरिष्ठ सदस्यों से लाभ होगा।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह महीना कार्य क्षेत्र की दृष्टि से अनुकूल, स्वास्थ्य की दृष्टि से मध्यम, जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता वाला एवं कुटुंबियों से विग्रह का रहेगा। साहस एवं उत्साह में कुछ कमी पाएंगे। अच्छा रहस्यों के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्च तेज रहेगा।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह महीना बहुत सोच विचार कर निर्णय लेने का है। भावनाओं के आवेग में कोई तुरंत निर्णय लेने से बचें। कुटुंबियों से धन लाभ संभावित है। शत्रुओं पर आपकी रणनीति प्रभावी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। घर में धार्मिक एवं मांगलिक आयोजन होंगे।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए यह महीना मानसिक रूप से कुछ बेचैन करने वाला रहेगा। बार-बार विचार बदलेंगे और निर्णय की स्थिति रहेगी। संतान सुख में वृद्धि होगी या संतान से संबंधित कोई सुखद समाचार मिलेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। आपका स्वास्थ्य परेशानी दे सकता है। अप्रत्याशित परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। कार्यक्षेत्र उत्तम रहेगा।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह महीना भूमि भवन से संबंधित लाभ देने वाला रहेगा। कार्य क्षेत्र में अनुकूलता रहेगी। व्यापारियों के व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी पेशा जातकों के सम्मान में वृद्धि होगी। संतान से संबंधित चिंता मन में रहेगी। विचारों में धार्मिकता भी रहेगी। रुका हुआ धन वापस आ सकता है।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह महीना साहस, पराक्रम से भरा हुआ रहेगा। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। भूमि भवन से संबंधित विवाद हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधी पीड़ा उत्पन्न हो सकती है। आंख से संबंधित समस्या उत्पन्न हो सकती है। मध्यम दूरी की यात्राएं संभावित है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह महीना थोड़ा चुनौती पूर्ण रहेगा किंतु आप इन सभी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए पार हो जाएंगे। प्रतिद्वंदियों पर आपकी रणनीति बहुत अधिक कारगर रहेगी। घर के वरिष्ठ सदस्यों की सलाह को ना मानना इस महीने आपके लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

कुम्भ

कुंभ राशि के जातकों के लिए इस महीने वैचारिक सुधारता रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी परंतु परिश्रम अधिक करना रहेगा। भूमि भवन से संबंधित कार्य संभावित है। गैस्ट्रिक ट्रबल की संभावना रहेगी। प्रत्येक कार्य में प्रथम बाधा उत्पन्न जरूर होगी।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह महीना संतान पक्ष की तरफ से सुख देने वाला होगा। संतान की कीर्ति को बढ़ाने वाला साबित होगा। साहस, पराक्रम से आप अपनी समस्याओं से पार हो पाएंगे। जीवनसाथी से मनमुटाव संभावित है। कोर्ट कचहरी से संबंधित खर्च हो सकता है, जिसमें आपको सफलता मिलेगी। मानसिक तनाव का सामना करना पड़ेगा एवं अज्ञात भय हमेशा बना रहेगा।

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 August, 2024

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com